प्रयागराज, कानपुर रायबरेली, कौशम्बी, इटावा, फिरोजाबाद, कानपुर देहात, बांदा, औरैया, उन्नाव, वाराणसी, मिर्जापुर, हमीरपुर, जालौन एवं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश से प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उ0प्र0 सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

न्यूज़ वाणी

www.newswani.in

फतेहपुर एवं लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 14 अंक : 344 शुक्रवार 05 दिसम्बर, 2025 डाक पंजीयन संख्या: एफटीपी/एल/समाचार पत्र/2025–27/106 पृष्ठ 06 मूल्य 1.00 रूपया

MPSP का 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह: सीएम योगी बोले- विकसित भारत के लिए हर भारतवासी मिलकर करें काम

सीएम योगी बोले, शताब्दी वर्ष के लिए अभी से लक्ष्य तैयार कर जुट जाएं। सीएम योगी ने कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति हमने अपनी भूमिका का निर्वहन किस तरह किया, है, यह समारोह उसका प्रमाण है। मुख्यमंती योगी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष रहे प्रो. यूपी सिंह को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोरखपुर04दिसम्बर (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2047 में विकसित भारत के लिए हर भारतवासी को साथ मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप पंचप्रण से यह संभव होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन सत्र को बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे।उन्होंने अपने 37 मिनट के संबोधन के दौरान कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है। छह वर्ष बाद शताब्दी वर्ष समारोह मनाया जाएगा। यह 100 वर्षों के यात्रा के आत्ममंथन का भी समय है। आज परिषद, अपने संस्थापकों के सपनों को आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्य, तकनीकी शिक्षा, महिलाओं के लिए शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में काम कर रहा है।शताब्दी वर्ष के लिए अभी से लक्ष्य तैयार कर जुट जाएं। सीएम योगी ने कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति हमने अपनी भूमिका का निर्वहन किस तरह किया, है, यह समारोह उसका प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष रहे प्रो. यूपी सिंह को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2000 साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था बहुत हीमजबूत थी। दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत का हिस्सा 46 फीसदी। 400 साल पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत का हिस्सा 26 फीसदी था। देश आजाद हुआ तो डेढ़ प्रतिशत रह गया था।अंग्रेज और विदेशी आक्रांता उस समय 32–33 ट्रिलियन डॉलर लूटकर ले गए थे। आज भारत की अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डॉलर है। आज भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाला देश है यह पूरी दुनिया ने माना है।

पीएम मोदी-पुतिन की ब्रह्मोस-NG' पर अहम चर्चा! पाकिस्तान की नींद उड़ाने वाली मिसाइल का नया वर्जन

मोदी-पुतिन की मुलाकात में पाकिस्तान को दहलाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल के अगली पीढ़ी के वर्जन, ब्रह्मोस-छ पर गहन चर्चा होगी, जिससे भारत की रक्षा क्षमता और मजबूत होगी। यूक्रेन संकट के बीच हो रही इस अहम बैठक में नए डिफेंस एग्रीमेंट की उम्मीद है, जिसमें न-57 जेट और -400 मिसाइल सिस्टम पर भी बात हो सकती है।

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी) रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन 5 दिसंबर को दोनों देशों के 23वें सालाना बाइलेटरल समिट के लिए भारत आने वाले हैं। यूक्रेन पर रूस के बड़े पैमाने पर हमले के बाद पुतिन का यह पहला नई दिल्ली दौरा है, जो खास तौर पर मुश्किल समय में हो रहा है। रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को च्ड मोदी के साथ अहम मीटिंग करेंगे और दोनों नेताओं के बीच कई जरूरी डिफेंस एग्रीमेंट होने की उम्मीद है। इनमें सबसे अहम ब्रह्मोस मिसाइल के एडवांस्ड वर्जन पर बातचीत होने की उम्मीद है, यह एक ऐसा सिस्टम है जिसने भारत की मिलिट्री क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।ब्रह्मोस ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी स्ट्रेटेजिक वैल्यू पहले ही साबित कर दी है, जहां इसने पाकिस्तान और च्वज्ञ में टेरर कैंप और अहम मिलिट्री ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस मिसाइल का एडवांस्ड वर्जन ज़्यादा खतरनाक होने की उम्मीद है।ब्रह्मोस–छळरू नेक्स्ट–जेनरशन सुपरसोनिक अपग्रेडच्ड मोदी और प्रेसिडेंट पुतिन के बीच बातचीत ब्रह्मोस मिसाइल के एडवांस्ड, ज़्यादा खतरनाक वर्जन पर फोकस रहने की उम्मीद है। अपग्रेडेड मॉडल, जिसे ब्रह्मोस–छळ (नेक्स्ट जेनरेशन) के नाम से जाना जाता है, का मकसद सिस्टम की साबित हुई लड़ाकू क्षमता को और बढ़ाना है।पुतिन और मोदी नई दिल्ली द्वारा एडिशनल –400 एयर डिफेंस सिस्टम की मांग पर एक डील पर भी चर्चा कर सकते हैं जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम थे।दोनों नेता यूक्रेन में चल रहे विवाद पर भी चर्चा कर सकते हैं जो ढाई साल से ज़्यादा समय से चल रहा है। भारत ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि रूस और यूक्रेन के बीच मुद्दों का हल बातचीत और डिप्लोमैटिक तरीकों से होना चाहिए।

मैं मस्जिद की नींव रखूंगा, कोई रोक नहीं सकता, टीएमसी से निकाले गए हुमायूं कबीर का बड़ा बयान, सीएम ममता पर तीखे वार

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी)टीएमसी से निकाले जाने के बाद विधायक हुमायूं कबीर ने ममता बनर्जी पर आरएसएस का काम करने का आरोप लगाया और बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद बनाने की अपनी योजना पर अड़े रहे, जिसे पार्टी ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाला बताया। कबीर ने 25 बीघा जमीन पर इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस और मेडिकल कॉलेज सहित एक बड़ी परियोजना का वादा किया, जबकि ममता बनर्जी पर मुस्लिम मौलवियों और समितियों को वित्तीय सहायता देने का आरोप लगाया।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गुरुवार को देबरा विधायक हुमायूं कबीर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने के बाद निलंबित कर दिया। पार्टी ने उन पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, अब भी हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने को लेकर अड़े हुए है।मीडिया से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा कि जब मैंने कहा था कि नींव रखेंगे, तो नींव रखेंगे। सब कुछ बाद में बताया जाएगा। 25 बीघा जमीन पर एक इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस, होटल–कम–रेस्टोरेंट, हेलीपैड, पार्क और मेडिकल कॉलेज बनेगा। थोड़ा इंतजार करो। चिंता मत करो। आने वाले दिनों में हम ये काम पूरा कर देंगे। उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में और कौन वादे करेगा? हुमायूँ कबीर को कौन रोक सकता है... मैं उन्हें चुनौती दे रहा हूं।ममता बनर्जी पर निशाना साधाते हुए हुमायूं कबीर ने कहा कि जब वह पहली बार सत्ता में आईं, तो उन्हें 182 सीटें मिलीं। मुझे उनकी जरूरत थी। मुझे पार्टी में शामिल किया गया...मेरे साथ 12–13 सालों तक ऐसा क्यों किया गया? मुझे पार्टी में क्यों शामिल किया गया?...आज, सीएम लोगों से पैसे लेकर जगन्नाथ मंदिर बनवाती हैं, वे दुर्गा पूजा के लिए पैसे देते हैं। मुस्लिम मौलवियों को 3000 रुपये भत्ता दिया जाता हैय सभी भत्तों को मिलाकर 54,000 रुपये दिए जा रहे हैं। जबकि समितियों को हर साल 1,10,000 रुपये दिए जाते हैं। वह आरएसएस का काम कर रही हैं।छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कबीर का व्यवहार ऐसे समय में घोर अनुशासनहीनता है, जब पार्टी राज्य में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम कर रही है। मुर्शिदाबाद के नेता अखरुज्जमां और नियामत शेख की मौजूदगी में हाकिम ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मंजूरी के बाद कबीर को निलंबित किया गया है।

सियासी पारा गरम! यूपी बीजेपी को मिलेगा नया अध्यक्ष, ब्राह्मण, ओबीसी दलित चेहरों पर दांव, कौन बनेगा सरताज?

यूपी भाजपा की कमान को लेकर अटकलें तेज हैं, सूत्रों के अनुसार नए प्रदेश अध्यक्ष का चयन लगभग हो चुका है और जल्द ही औपचारिक घोषणा की जाएगी। भाजपा-आरएसएस की बैठकों और वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने इस प्रक्रिया को गति दी है, जिसमें विभिन्न समुदायों के नेताओं पर विचार किया जा रहा है।

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी)उत्तर प्रदेश में भाजपा की कमान किसको मिलेगी, इस बात की चर्चा तेज हो चली है। सोमवार को हुई भाजपा–आरएसएस बैठक से मिले संकेतों के अनुसार, उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष का बहुप्रतीक्षित चयन पूरा हो चुका है और अब केवल औपचारिक घोषणा बाकी है। ऐसा सूत्रों की ओर से दावा किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के नए भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा आने वाले दिनों में हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि यह घोषणा इस सप्ताह के अंत तक हो सकती है। वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की भी घोषणा हो सकती है। आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को सरकार और भाजपा नेताओं के साथ बंद कमरे में कई बैठकें की थी। आरएसएस के राष्ट्रीय समन्वयक अरुण कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष सोमवार को लखनऊ पहुँचे और क्षेत्र प्रचारक अनिल सिंह और महेंद्र कुमार के साथ बैठक की। उन्होंने काशी क्षेत्र के क्षेत्र कारवाह और अन्य पदाधिकारियों से भी मुलाकात की और सरकार के कामकाज और पार्टी गतिविधियों पर प्रतिक्रिया ली।इसके बाद कुमार और संतोष ने सीएम आवास पर सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक के साथ एक हाई–प्रोफाइल बैठक की। वर्तमान राज्य भाजपा प्रमुख भूपेंद्र चौधरी और राज्य महासचिव (संगठन) धर्मपाल सिंह भी मौजूद रहे। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में हाल ही में हुई एक बैठक में केंद्रीय नेतृत्व ने इस पद के लिए नौ उम्मीदवारों पर विचार किया था – जिनमें से तीन ब्राह्मण, तीन ओबीसी और तीन दलित समुदायों से थे। सूत्रों ने बताया कि भाजपा और संघ दोनों के शीर्ष नेताओं ने पार्टी की एसआईआर निगरानी टीम की एक रिपोर्ट पर अप्रसन्नता व्यक्त की है, जिसमें कहा गया है कि मंत्रियों, सांसदों और अन्य विधायकों सहित निर्वाचित प्रतिनिधि एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के प्रभारी पियूष गोयल और विनोद तावड़े निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से चला रहे हैं। जिन नामों की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है उसमें दिनेश शर्मा, हरीश द्विवेदी, ओबीसी नेता धर्मपाल सिंह, बीएल वर्मा, दलित चेहरा रामशंकर कठेरिया और विद्या सागर सोनकर शामिल है।

अमेरिका ने 2009 से अब तक 18,822 भारतीयों को भेजा भारत, जयशंकर ने राज्यसभा में दी चौंकाने वाली जानकारी

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी)विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि अमेरिका ने वर्ष 2009 से अब तक कुल 18,822 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया है, जिनमें जनवरी 2025 से अब तक निर्वासित किए गए 3,258 भारतीय शामिल हैं। उच्च सदन में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए जयशंकर ने कहा कि मानव तस्करी के मामलों की जांच राज्यों के साथ–साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी की है, जिनमें पंजाब में सर्वाधिक मामले दर्ज हुए हैं। उन्होंने एक लिखित उत्तर में बताया, ''2009 से अब तक कुल 18,822 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है।''मंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में 617 भारतीयों को और 2024 में 1,368 भारतीयों को अमेरिका से निर्वासित किया गया। उन्होंने कहा ''जनवरी 2025 से अब तक कुल 3,258 भारतीय नागरिकों को अमेरिका ने भारत निर्वासित किया है। इनमें से 2,032 भारतीय (लगभग 62.3 प्रतिशत) नियमित वाणिज्यिक उड़ानों से और शेष 1,226 भारतीय (37.6 प्रतिशत) अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) या सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा(सीबीपी) द्वारा संचालित चार्टर उड़ानों से लौटे हैं।'' पूरक प्रश्नों के उत्तर में जयशंकर ने बताया कि एनआईए ने कुछ वर्ष पहले मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ की स्थापना की थी, जिसे मानव तस्करी के मामलों की जांच का प्राधिकार प्राप्त है। राज्यों ने भी इस प्रकार के मामलों में जांच शुरू की है।

उन्होंने बताया''एनआईए ने मानव तस्करी के 27 मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की है, जिनमें 169 गिरफ्तारियां हुई हैं और 132 व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किए गए हैं। एनआईए ने हरियाणा और पंजाब में सात अगस्त को दो प्रमुख तस्करों को और हिमाचल प्रदेश में दो अक्टूबर को दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया।''विदेश मंत्री ने कहा कि राज्यों में पंजाब में मानव तस्करी के सर्वाधिक मामले हैं। ''पंजाब सरकार ने एसआईटी और तथ्य–अन्वेषण समिति गठित की है। उनकी ओर से मिली जानकारी के अनुसार, 58 अवैध ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ 25 प्राथमिकी दर्ज हुई हैऔर 16 आरोपियोंकोगिरफ्तार किया गया है।''जयशंकर ने कहा, ''हरियाणा राज्य में2,325 मामले और 44 प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। इन मामलों में27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुजरात राज्य ने भी एक महत्वपूर्ण तस्कर को गिरफ्तार किया है।'' उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय, अमेरिकी आईसीईऔरसीबीपी की निर्वासन प्रक्रिया के दौरान भारतीय नागरिकों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु अमेरिकी पक्ष के साथ निरंतर बातचीत कर रहा है।

पुतिन के भारत दौरे से पहले राहुल गांधी का बड़ा आरोप-सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्ष के नेता से मिलने नहीं दे रही

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी)लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि मोदी सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से मिलने से रोक रही है क्योंकि वह खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे (राहुल से) मुलाकात नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से कुछ घंटे पहले यह दावा किया। पुतिन आज शाम आधिकारिक दौरे पर भारत आएंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''आमतौर पर यह परंपरा रही है कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय होता था और मनमोहन सिंह जी के समय भी होता था। आजकल यह होता है कि जब बाहर से कोई आता है या मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार सुझाव देती है कि बाहर से आने वाले अतिथि या उनके (राहुल के) बाहर जाने पर वहां के लोग नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलें।''उनका कहना था कि सरकार यह हर बार करती है। राहुल गांधी ने कहा, ''हिंदुस्तान का प्रतिनिधित्व हम भी करते हैं, सिर्फ सरकार नहीं करती है। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिलें।'' उन्होंने दावा किया, ''यह परंपरा है,।

पूर्वोत्तर के वास्तुकार हैं PM मोदी: सोनोवाल ने बताया कैसे बदली क्षेत्र की तस्वीर, विकास पर जोर

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को पूर्वोत्तर के श्महान वास्तुकारश बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में इस उपेक्षित क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है, जो अब भारत के विकास का प्रमुख वाहक है। उन्होने बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आर्थिक सुधारों के माध्यम से पूर्वोत्तर को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की मुख्यधारा में लाने के लिए मोदी सरकार की सराहना की।

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी)केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक नए और उभरते पूर्वोत्तर के महान वास्तुकार के रूप में उभरने के लिए सराहना की, जिन्होंने दशकों से उपेक्षित इस क्षेत्र को भारत के विकास, संपर्क और राष्ट्रीय गौरव के एक प्रमुख वाहक में बदल दिया है। पिछले एक दशक में हासिल किए गए विकास परिणामों पर बोलते हुए, सोनोवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर नीति निर्माण के हाशिये से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की मुख्यधारा में आ गया है, जो बुनियादी ढाँचे के विस्तार, आर्थिक सुधार, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और दीर्घकालिक शांति स्थापना के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर को सात दशकों तक कम प्रतिनिधित्व और कम निवेश का सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में, इस क्षेत्र को भारत की अष्टलक्ष्मी के रूप में मान्यता प्राप्त है – न केवल एक सीमावर्ती क्षेत्र, बल्कि राष्ट्रीय विकास का एक नया इंजन। रेलवे, राजधानी संपर्क और हवाई अड्डों से लेकर राजमार्गों, बिजली, डिजिटल नेटवर्क और अंतर्देशीय जलमार्गों तक, यह परिवर्तन ऐतिहासिक रहा है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी प्रधानमंत्री मोदी के रोडमैप की आधारशिला रही है। इस क्षेत्र में सभी प्रमुख गेज परिवर्तन कार्य पूरे हो चुके हैं अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मिजोरम ब्रॉड गेज नेटवर्क से जुड़ गए हैं और माल और यात्री ट्रेनें पहली बार क्षेत्र के अंदरूनी हिस्सों तक पहुँच रही हैं। इसी तरह, बोगीबील रेल–सह–सड़क पुल – जो 2018 में पूरा हुआ – और जून 2025 में भैरबी–सैरांग लिंक के चालू होने से असम और मिजोरम में पहुँच का विस्तार हुआ है।चार राजधानी संपर्क रेल परियोजनाएँ – नागालैंड, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय – चल रही हैं, जबकि भारत–बांग्लादेश अगरतला–अखौरा रेल लिंक का उद्घाटन दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा नवंबर 2023 में संयुक्त रूप से किया गया था। सड़कों के मामले में, पिछले दशक में 11,000 किलोमीटर से अधिक

प्रदूषण, रुपये की गिरावट, पान मसाला उपकर: संसद के चौथे दिन गरमागरम बहस

नई दिल्ली 04दिसम्बर (एजेंसी)संसद के शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन था। आज चौथे दिन दोनों ही सदनों में सामान्य कामकाज देखने को मिला। हालांकि प्रदूषण को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष की ओर से शोर जरूर किया गया। वहीं, विपक्ष के सांसदों ने वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन भी किया। दूसरी ओर विपक्ष रुपए की कीमत में लगातार गिरावट को भी मुद्दा बनाने की कोशिश करता रहा। कई विपक्षी सांसदों ने वक्फ पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की लोकसभा में मांग की। राज्यसभा में डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा उठा और इसको लेकर राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की गई। वहीं, सरकार ने कहा कि देश में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। – केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफ से जो शिकायतें आई हैं उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी। – कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पान मसाला पर उपकर लगाने वाले विधेयक को 'इंस्पेक्टर राज' की वापसी करने वाला कदम करार दिया और कहा कि इसे प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधेयक के लिए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों हितों को साधा गया है।

सम्पादकीय

भाजपा का मिशन-2026 कमान अमित शाह के हवाले

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। मैं नफीस जाफरी आपको यह बता दूं कि इस चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग बिहार की तरह से यहां भी वोटर लिस्ट की गहन जांच करवा रही है। निर्वाचन आयोग की कवायद एसआईआर को लेकर बंगाल का सियासी पारा गरम है। बंगाल की सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर वोटर लिस्ट को साफ–सुथरा बनाने का अभियान है। इसमें बूथ लेवल ऑफिसर्स घर–घर जाकर फॉर्म भरवा रहे हैं, ताकि फर्जी, डुप्लिकेट या मृत वोटरों के नाम हटाए जा सकें. लेकिन यह प्रक्रिया बंगाल में राजनीतिक तूफान बन गई है। जहां तक एसआईआर का सवाल है तो एसआईआर– यह चुनाव आयोग का रूटीन एक्सरसाइज है, जो हर 5–10 साल में होता है। बंगाल में नवंबर 2025 से शुरू हुआ, जो अगले एक हफ़्ते में ख़त्म हो जाएगा। इसमें आधार, जन्म प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों से वोटरों की चेकिंग होती है। इस कवायद से मृत, प्रवासी और दोहरे वोटर लिस्ट वाले मतदाताओं का नाम सूची से हटाया जाएगा। इस समय बंगाल के अलावा 12 राज्यों में एसआईआर का काम चल रहा है, इससे पहले बिहार में पूरा हो चुका है।

नफीस जाफरी

अब बात भाजपा के मिशन–2026 की तो गौरतलब है कि बिहार में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा अब पूरी ताकत के साथ अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की ओर बढ़ रही है। पार्टी नेतृत्व ने इसका खाका तैयार कर लिया है और इस पूरे चुनावी अभियान की कमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में होगी। अमित शाह इस महीने के आखिर में पश्चिम बंगाल से अपने दौरे की शुरुआत करेंगे। इसके बाद जनवरी से लेकर आचार संहिता लागू होने तक वह हर महीने कम से कम दो दिन पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में बिताएंगे। इन लगातार होने वाले दौरों का मकसद चुनावी माहौल बनाना, संगठन को सक्रिय करना और बूथ स्तर तक ऊर्जा भरना है। अमित शाह अपने इन दौरे के दौरान ज़ोन–वाइज कार्यकर्ताओं के साथ गहन बैठकें करेंगे। बूथ लेवल कार्यकर्ताओं की अलग बैठकें होंगी, संगठनात्मक समीक्षा और रणनीति बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही, बड़े स्तर की रैलियां और जनसंपर्क कार्यक्रम भी प्लान किए जा रहे हैं ताकि भाजपा का संदेश सीधे मतदाताओं तक पहुंचे। अमित शाह इसके अलावा अलग–अलग राज्यों में सहयोगी दलों के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे ताकि सीट बंटवारे, साझा अभियान और संयुक्त रणनीति को अंतिम रूप दिया जा सके। बिहार की जीत ने पार्टी को नई ऊर्जा दी है और अब भाजपा का पूरा फोकस पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में प्रदर्शन सुधारने और सत्ता हासिल करने पर है। इन राज्यों में संगठन को मजबूत करने और विपक्ष की कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए भाजपा शीर्ष स्तर से लेकर बूथ स्तर तक सक्रिय मोड में आ गई है। 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होना है। इसमें सबसे पहले असम में चुनाव होगा. असम में विधानसभा की 126 सीटें, केरल में 140, तमिलनाडु में 234, पश्चिम बंगाल में 294 और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा की 30 सीटें हैं।

फिर से एकता के प्रयास में ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर विपक्षी एकता बनवाने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी इसके लिए प्रयास किया था लेकिन कामयाब नहीं हो पाई थीं। तब के चंद्रशेखर राव और अरविंद केजरीवाल ने भी प्रयास किया लेकिन उनको भी कामयाबी नहीं मिली। कामयाबी मिली थी नीतीश कुमार को, जो उस समय राजद और कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे थे। उनकी पहल पर विपक्षी पार्टियों की पहली बैठक पटना में उनके सरकारी आवास एक, अणे मार्ग में हुई थी और बाद में श्इंडियाश्व ब्लॉक का गठन हुआ।

लेकिन संयोग है कि नीतीश कुमार के श्इंडियाश्व ब्लॉक छोड़ने का तात्कालिक कारण भी ममता बनर्जी बनीं। असल में राहुल गांधी ने घटक दलों की वर्चुअल मीटिंग में कह दिया था कि नीतीश कुमार को श्इंडियाश्व ब्लॉक का संयोजक बनाने के लिए ममता बनर्जी से पूछना होगा। उस समय तक अलग होने का मन बना चुके नीतीश कुमार को इससे मौका मिल गया और वे वापस भाजपा के साथ लौट गए। अगर नीतीश जनवरी 2024 में भाजपा के साथ नहीं गए होते तो लोकसभा चुनाव की तस्वीर कुछ और होती।

बहरहाल, ममता बनर्जी फिर से प्रयास कर रही हैं। इस बार उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का मुद्दा बनाया है। वे चाहती हैं कि सभी पार्टियां मिल कर एसआईआर के खिलाफ साझा आंदोलन चलाएं। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ सड़क पर उतर कर लड़ रही हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि लेफ्ट पार्टियां और कांग्रेस इस लड़ाई में उनका साथ नहीं दे रही हैं। सवाल है कि राहुल गांधी इस बार क्यों नहीं एसआईआर की लड़ाई लड़ रहे हैं? यह सही है कि अभी उनकी पार्टी बंगाल में ममता बनर्जी के साथ नहीं जा सकती है लेकिन कांग्रेस अकेले तो यह लड़ाई लड़ ही सकती है। लेकिन न अकेले लड़ रही है और न ममता के साथ जा रही है।

यही विपक्षी एकता के रास्ते में एक पेंच है। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी पश्चिम बंगाल में एक साथ मिल कर आंदोलन नहीं करेंगे क्योंकि दोनों को अलग अलग चुनाव लड़ना है। जब दोनों पार्टियां बंगाल में साथ नहीं आएंगी तो एकता कैसे बनेगी? ध्यान रहे यह लोकसभा का चुनाव नहीं है कि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर एकता बना लेंगी और बंगाल में सबको छोड़ कर अकेले लड़ेंगी। इस बार बंगाल में एकता बनानी और दिखानी होगी, जो कि वे नहीं चाहती हैं।

वे सिद्धांत रूप से एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के एक साथ आने की अपील कर रही हैं। यानी समूचा विपक्ष एक साथ होकर एसआईआर के खिलाफ राजनीतिक, कानूनी और संसदीय लड़ाई लड़े और उसके बाद चुनाव में सब अलग अलग लड़ें। इससे जाहिर है कि यह श्इंडियाश्व ब्लॉक को फिर से रिवाइव करने की योजना का हिस्सा नहीं है, बल्कि तात्कालिक और मुद्दा आधारित एकजुटता का प्रयास है। इस प्रयास में आंशिक कामयाबी ही हासिल होगी। अगले हफ्ते एक दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है उसमें सभी पार्टियां एसआईआर का मुद्दा उठा देंगी। उसमें भी कानूनी से ज्यादा मानवीय मुद्दा हावी होगा और सबका जोर इस बात पर होगा कि समय कम होने की वजह से बूथ लेवल अधिकारियों यानी बीएलओ के ऊपर अत्यधिक दबाव है, जिससे उनकी मौत हो रही है या वे खुदकुशी कर रहे हैं। सो, यह तय मानें कि संसद का शीतकालीन सत्र एसआईआर पर हंगामे की भेंट चढ़ेगा। लेकिन वह विपक्षी एकता की गारंटी नहीं है। ध्यान रहे संसद सत्र में लगभग हर बार विपक्ष साथ मिल कर ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करता है।

कभी केजीबी के जासूस रहे पुतिन कैसे बने रूस के सबसे ताक़तवर नेता

गुलफिशा खान

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा विगत चार दिसंबर से शुरू हुई। इस दौरान राजधानी नई दिल्ली में उनकी मौजूदगी न केवल पुराने भरोसेमंद रिश्तों की पुष्टि का प्रकटीकरण रहा बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे बदलते वैश्विक व्यापार, वित्तीय व्यवस्था और सुरक्षा माहौल में भारत और रूस के रिश्ते कैसे नई शक्ल अख्तियार कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ता व्यापार, बढ़ती प्रतिबंधों को लेकर तेज होती बहस और गैर–पश्चिमी साझेदारी का बढ़ता प्रभाव– ये सभी एक बड़े बदलाव के संकेत हैं। दुनिया अब एक केंद्र वाली व्यवस्था से हटकर कई समानांतर आर्थिक नेटवर्कों में बदल रही है। ऐसे में पुतिन की यात्रा यह समझने का एक अहम मौका है कि भारत को इस बदलते माहौल में खुद को कैसे स्थापित करना चाहिए। नई दिल्ली यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन को लेकर दुनिया में भले ही दो राय हों, लेकिन भारत और सोवियत संघ की दोस्ती को लेकर दोनों देशों में एक राय दिखती है। पुतिन रूस के सबसे ताकतवर नेता ऐसे ही नहीं बने, उन्होंने सोवियत संघ के विघटन का बुरा दौर अपनी आंखों से देखा है। पुतिन रूस को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं देखना चाहते। हालांकि पुतिन ने कैसे कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ीं, इस आलेख में डालते हैं एक नजर–

पुतिन एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते थे और उनकी मां एक कारखाने में मजदूरी करती थीं। लेकिन उनके दादा सोवियत संघ के बड़े नेताओं के कुक थे। पुतिन ने लेनिनग्राद यूनिवर्सिटी से वकालत की पढ़ाई की और फिर रूस की खुफिया एजेंसी केजीबी में 15 वर्ष तक खुफिया एजेंट रहे। रूसी राष्ट्रपति के करीबी बोरिस येल्तसिन ने 1999 में पुतिन को पीएम बनाया और फिर वर्ष 2000 में पुतिन ने राष्ट्रपति चुनाव भारी बहुमत से जीता था। पुतिन के दादा सोवियत नेता व्लादीमीर लेनिन और जोसेफ स्टालिन के रसोइये थे। पुतिन का जन्म 7 अक्टूबर 1952 को लेनिनग्राद में हुआ था। उनका बचपन बेहद गरीबी और मुश्किलों में बीता। पिता स्प्रिदोनोविच पुतिन को सोवियत संघ की सेना में

भर्ती हुए और फिर सेकेंड वर्ल्ड वार शामिल हुए। द्वितीय विश्व युद्ध में पुतिन ने बेहद कम उम्र में अपने दोनों भाइयों को खो दिया। पुतिन की शादी ल्यूडमिला एलेक्जेंड्रोना से हुई थी, जो एक लैंग्वेज ट्रांसलेटर थीं और उनका 2014 में तलाक हो गया। पुतिन की दो बेटियां मारिया और कैटरीना राजनीति से दूर रहती हैं। खबरों के मुताबिक, पुतिन की एक गर्लफ्रेंड एलिना काबेवा से लंबे समय का साथ है। हालांकि उन्हें वाइफ या फर्स्ट लेडी का दर्जा नहीं मिला है। ओलंपिक जिम्नास्ट रहीं काबेवा ने दो गोल्ड मेडल जीते और 14 बार वर्ल्ड चैंपियनशिप भी जीतीं. काबेवा 2007 से सात साल तक राज्य संसद की उप प्रमुख भी रह चुकी हैं। पुतिन ने लेनिनग्राद यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली और फिर खुफिया एजेंसी से जुड़ गए, जहां उन्होंने 15 साल बेहतरीन काम किया। पुतिन ने 6 साल केजीबी जासूस के तौर पर जर्मनी में काम किया। फिर पुतिन 1990 में लेटिनेंट कर्नल की पोस्ट से खुफिया एजेंसी से रिटायर हुए। वो एक सामान्य जिंदगी की सोच रहे थे, लेकिन सेंट पीटर्सबर्ग मेयर के पहले सलाहकार की जॉब ने उनकी किस्मत बदल दी. भरोसेमंद पुतिन को उन्होंने 1994 में डिप्टी मेयर बनवाया।

पुतिन 1996 में रूस की राजधानी मॉस्को आए और वहां बड़े नेताओं के भरोसेमंद सलाहकार बन गए। बोरिस येल्तसिन ने जुलाई 1998 में पुतिन को फेडरल सिक्योरिटी सर्विस थ्ैठ का शीर्ष पद दिया। फिर पुतिन प्रभावशाली सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी बन गए। भारी आलोचना झेल रहे येल्तसिन का 1999 में उत्तराधिकारी खोजा जाने लगा तो पर्दे के पीछे भूमिका निभाने वाले शांत और जिम्मेदार पुतिन को प्रधानमंत्री बनाया गया। पुतिन ने सत्ता संभालते ही रूस को कमजोर करने वाले चेचेन विद्रोहियों के खिलाफ ऑपरेशन छेड़ा। उन्होंने भ्रष्ट अमीरों पर सख्ती के साथ गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाईं तो उन्हें हीरो माना जाने लगा। जनता का गुस्सा झेल रहे येल्तसिन ने 31 दिसंबर 1999 को पद छोड़ा और पुतिन को कार्यवाहक राष्ट्रपति बना दिया।

रूस को फिर से महान बनाने का वादा कर मार्च 2000 में पुतिन ने भारी बहुमत से चुनाव जीत लिया। भ्रष्टाचार का अंत और पूंजीवादी बाजार पर नियंत्रण के वादे के साथ भरोसा जीता। पुतिन ने सोवियत संघ विघटन के बाद एक और बिखराव का खतरा झेल रहे रूस को एकजुट करने की ठानी। उन्होंने 89 प्रांतों का विलय करके 7 संघीय प्रांतों में बदला. उद्योगपतियों का सरकार पर वर्चस्व खत्म किया। रूस में मीडिया और इंटरनेट पर कड़े प्रतिबंधों को लेकर पुतिन की आलोचना की जाती है। हालांकि वो इसे देशविरोधी ताकतों पर नियंत्रण के लिए जरूरी मानते हैं। पुतिन का बिजनेसमैन को भी साफ संदेश दिया है कि वो अर्थव्यवस्था और देश हित के लिए अपने निजी हित छोड़ दें। यही वजह है कि कई उद्योगपतियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुतिन पर पड़ोसी मुल्कों की जमीन हड़पने का आरोप भी लगता रहा है। जॉर्जिया में 2008 और फिर 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के साथ और 2022 में रूस यूक्रेन युद्ध भी इसका उदाहरण है। पुतिन ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ में गरीबी, बेरोजगारी के बुरे दौर को देखा। उन्होंने 1989 में जर्मनी को बिखरते देखा और 1991 में सोवियत संघ के विघटन की यादें भी वो कभी भुला नहीं पाए। पुतिन ने सोवियत संघ विघटन को 20वीं सदी की सबसे विनाशकारी घटना बताया था। इस कारण वो रूस की सीमा पर यूरोप, नाटो जैसे संगठन या अमेरिका जैसी किसी अन्य ताकत को मजबूत नहीं होने देना चाहते। पुतिन 1999 से 2008 तक राष्ट्रपति रहे। फिर प्रधानमंत्री बनने के बाद 2012 से फिर राष्ट्रपति पद पर हैं। संवैधानिक मजबूरियों की वजह से वो 4 साल बीच में प्रधानमंत्री बने और उनकी जगह दमित्री मेदवदेव ने ली थी। पुतिन पर एलेक्सी नेवलनी जैसी विपक्षी नेताओं के उत्पीड़न और गलत आरोपों में जेल भेजने का भी आरोप लगा था।

हुमायुं कबीर बने ममता के लिए परेशानी का सबब

पश्चिम बंगाल का ओवैसी बनने की है चाह

फ़रीद वारसी

तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद बनाने पर अड़े विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है। टीएमसी विधायक ने 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखने की घोषणा की थी। हुमायूं कबीर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नाराजगी भी बताई जाती है। उन्होंने अपनी ओर से घोषणा की थी कि वो जब बाबरी मस्जिद की बुनियाद रखेंगे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत टीएमसी के बड़े नेता शामिल होंगे। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने उनके इस अभियान से पल्ला झाड़ लिया था। पार्टी सूत्रों का कहना था कि हुमायूं कबीर विधायकी का टिकट पाने के लिए दबाव की रणनीति अपनाते हुए ऐसा कर रहे थे, लेकिन उनका ये दांव उल्टा पड़ा। कबीर ने बंगाल पुलिस को भी चुनौती देते हुए कहा था कि कोई भी उन्हें बाबरी मस्जिद की नींव रखने से रोक नहीं पाएगा। वहीं तृणमूल सूत्रों का कहना है कि पार्टी ऐसे विवादित मामले में हुमायूं कबीर के साथ नहीं खड़ी होगी। ममता बनर्जी का ये संदेश पार्टी विधायकों, सांसदों और अन्य नेताओं तक पहुंचा दिया गया था। ममता बनर्जी की मुर्शिदाबाद जिले में रैली के ठीक पहले कबीर पर ये कार्रवाई की गई है। हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद के भरतपुर विधानसभा से ही विधायक हैं। मुर्शिदाबाद जिले की 19 सीटों में ज्यादातर मुस्लिम बहुल हैं। वो मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की बुनियाद रखने पर अड़े हुए थे। वहीं सस्पेंशन के बाद हुमायूं कबीर ने कहा कि वो पार्टी से खुद ही इस्तीफा दे देंगे और जरूरत पड़ी तो 22 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में नई पार्टी बनाकर मैदान में उतरेंगे।

भाजपा इस मुद्दे को लेकर लगातार टीएमसी पर निशाना साध रही थी। शुभेंदु अधिकारी और अन्य भाजपा नेताओं का आरोप था कि बंगाल सरकार पर्दे के पीछे से हुमायूं कबीर का समर्थन कर रही है। ये सरकार की मुस्लिम तुष्टीकरण की रणनीति है। माना जा रहा है कि बाबरी मस्जिद को लेकर हिन्दू भावनाएं आहत न हों, इसलिए पार्टी ने इस मुद्दे पर शुरुआत से ही कबीर से दूरी बनाए रखी। पार्टी विधानसभा चुनान के पहले भाजपा को ऐसा कोई मुद्दा नहीं देना चाहती तो

भगवा दल का हथियार बन जाए। सियासी हलकों में दावा किया जाता है कि हुमायूं कबीर खुद को बंगाल का असदुद्दीन ओवैसी बनाने में जुटे हैं। वो अलग पार्टी बनाने की रणनीति पर भी काम कर रहे हैं। औवैसी बंगाल विधानसभा चुनाव में 35 से 40 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की सोच रहे हैं। हालांकि कबीर की यह रणनीति टीएमसी के लिए झटका हो सकती है। लिहाजा पार्टी ने चुनाव के पहले ही उनसे पल्ला झाड़ लिया।

जहां तक हुमायुं कबीर का सवाल है तो धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय" संत कबीर का यह दोहा आज पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नए मोड़ पर खड़ा है। मुर्शिदाबाद के विधायक हुमायूं कबीर, जिनकी तस्वीर अब सुर्खियों में है, कबीर की इस सीख को अपने अंदाज़ में जीते दिख रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस से बाहर होने के बाद हुमायूं कबीर अब अपनी राजनीतिक जमीन खुद तैयार कर रहे हैं। बाबरी मस्जिद के नाम पर उठी बहस ने बंगाल की सियासत में हलचल मचा दी है। सवाल यह है कि क्या हुमायूं का यह कदम ममता बनर्जी की जीत की रणनीति को प्रभावित करेगा? तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित होने के बाद हुमायूं कबीर ने ऐलान किया है कि वह दिसंबर में अपना नया दल बनाएंगे और 2026 के विधानसभा चुनाव में 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे। यह घोषणा ऐसे समय आई है जब वह पिछले एक महीने से मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की कवायद कर रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार में रहते हुए भी उन्हें मस्जिद के लिए जमीन नहीं मिल सकी। हुमायूं बार–बार कहते रहे कि 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की स्थापना करेंगे। लेकिन प्रशासन की अनुमति न मिलने और पार्टी की चुप्पी ने उनके राजनीतिक समीकरण बदल दिए। 4 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

हुमायूं कबीर का बयान कि मस्जिद का नाम 'बाबरी होगा, विवाद का केंद्र बन गया। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस हमेशा से तुष्टीकरण के आरोपों से घिरी रही है। पार्टी जानती है कि उसके वोटर सिर्फ मुस्लिम नहीं, बल्कि लाखों हिंदू भी हैं, जिनकी आस्था राम मंदिर, काली और दुर्गा पूजा से जुड़ी है। ऐसे में बाबरी नाम का इस्तेमाल हिंदू वोटरों को नाराज़ कर सकता है। मुर्शिदाबाद उन जिलों में है जहां मुस्लिम आबादी 70 प्रतिशत से अधिक है। यहां का मुस्लिम वोट बैंक तय करता है कि कौन विधायक बनेगा। हुमायूं कबीर खुद को मुस्लिमों के कट्टर नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कई मुस्लिम संगठन बाबरी मस्जिद मुद्दे पर उनका समर्थन कर रहे हैं और उन्हें आर्थिक मदद भी मिल रही है। लेकिन जमीन प्रशासन की अनुमति के बिना नहीं मिल सकती।

अगर हुमायूं कबीर के राजनीतिक सफर की बात करें तो मालूम हो कि हुमायूं का इतिहास उतार–चढ़ाव से भरा है। 2011– कांग्रेस टिकट पर जीत, फिर तृणमूल में शामिल होकर मंत्री बने। 2019–तृणमूल छोड़कर भाजपा में गए, लोकसभा चुनाव में हार।2021– फिर तृणमूल में वापसी, भरतपुर से विधायक बने। वैसे उनकी पहचान विवादित बयानों से जुड़ी रही है। कभी हिंदुओं को 30 प्रतिशत कहकर नदी में बहाने की बात, तो कभी बाबरी मस्जिद का मुद्दा उठा कर वे लगातार अपने को चर्चा में बनाए रखने के लिए जाने जाते हैं। अगर इस पूरे में मामले में ममता बनर्जी की बात करें तो ममता बनर्जी की जीत में मुस्लिम वोटरों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन बाबरी मस्जिद का मुद्दा मुस्लिम वोटों को बांट सकता है। हुमायूं का नया दल तृणमूल के लिए चुनौती बन सकता है, खासकर उन जिलों में जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। हुमायूं कबीर का यह कदम बंगाल की राजनीति में नया समीकरण पैदा कर सकता है। बाबरी मस्जिद का नाम और नया दल दोनों ही मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के लिए सिरदर्द बन सकते हैं। सवाल यह है कि क्या हुमायूं का यह दांव उन्हें बंगाल की सियासत में बड़ा खिलाड़ी बनाएगा या यह सिर्फ एक शोर साबित होगा?

एसआईआर का विरोध: चिन्ता लोकतंत्र की या वोट बैंक की?

ललित गर्ग ।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत के अनेक राज्यों में स्थानीय राजनीतिक तंत्र विदेशी घुसपैठियों के लिए न केवल छत्रछाया प्रदान करता रहा है, बल्कि उन्हें वोट–आधारित पहचान और सुविधाओं तक पहुंच भी दिलाता रहा है। इन परिस्थितियों में एसआईआर जैसी प्रक्रिया न केवल उचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक है।

भारत का लोकतंत्र आज जिस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, वहां उसकी विश्वसनीयता और मजबूती का सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गया है। चुनावों की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुचिता और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से मतदाता पहचान की सत्यता को बनाए रखना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को सुरक्षित रखने का मूल तत्व है। विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई वह अनिवार्य प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची में मौजूद संदिग्ध, दोहरे या अवैध प्रविष्टियों की पहचान और सत्यापन किया जा सके। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस कार्य को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक कदम माना जाना चाहिए, उसे कुछ विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के चश्मे से देख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में जिस प्रकार के उतावले, भावनात्मक और अक्सर तथ्यहीन तर्क प्रस्तुत किए गए, उससे यही प्रतीत होता है कि यह विरोध किसी तर्क या सिद्धांत का नहीं, बल्कि वोट–बैंक की चिंता का परिणाम है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर बेतूका राष्ट्र–विरोधही अड़ंगा लगाने वालों को आईना ही दिखाया कि बिहार में तो एक भी व्यक्ति यह शिकायत करने नहीं आया कि उसका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि बिहार में एसआईआर के समय कुछ खास लोगों के वोट काटे जाने का आरोप उछालने वाले भी ऐसे कथित पीड़ित लोगों के उदाहरण का साक्ष्य नहीं दे सके थे। हालांकि बिहार में एसआईआर पर विपक्षी दलों को मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वे बाज नहीं आ रहे हैं और अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर की प्रक्रिया को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़े हैं।

यह तब है, जब एसआईआर वाले राज्यों में करीब 65 प्रतिशत फार्म भरे जा चुके हैं। इसका मतलब है कि लोग इस प्रक्रिया में बढ़–चढ़ कर भाग ले रहे हैं। एसआईआर होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि मतदाता सूचियों में भारी त्रुटियां एवं विसंगतियां है, बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है या फिर जो अन्यत्र चले गए हैं। इसके अलावा ऐसे भी लोग हैं, जिनके पास दोहरे मतदाता पहचान पत्र हैं। चुनाव आयोग एसआईआर के जरिये इन्हीं विसंगतियों को दूर कर रहा है, लेकिन विपक्षी दलों को पता नहीं क्यों यह रास नहीं आ रहा है। वे मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायत भी कर रहे हैं और एसआईआर भी नहीं होने देना चाहते है। लोकतंत्र की जड़ों में सबसे बड़ा विष तब घुलता है जब मतदाता सूची अवैध हस्तक्षेपों, बाहरी घुसपैठियों और राजनीतिक संरक्षण के सहारे खड़ी प्रविष्टियों से दूषित होने लगती है। भारत लंबे समय से विदेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहा है। राज्यों के बीच असंतुलित प्रवासन, सीमावर्ती क्षेत्रों में बेतरतीब आबादी का फैलाव, राजनीतिक शरण और संरक्षण के नाम पर अवैध बसेरों का निर्माण–ये सब ऐसी वास्तविकताएं हैं जिन्हें अनदेखा करना राष्ट्रहित से खिलवाड़ है।

एसआईआर की प्रक्रिया इसीलिए आरंभ की गई कि मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध, विश्वसनीय, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित बनाया जा सके। यह प्रक्रिया किसी समुदाय, क्षेत्र या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पहचान के सत्यापन पर आधारित है। यह समान रूप से हर उस मतदाता की जांच करती है जो कानूनन इस प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा इसे अधिकारों पर हमला, राजनीतिक भेदभाव या अविश्वास की राजनीति से जोड़ना केवल दुष्प्रचार एवं भोलेभाले लोगों को गुमराह करना है। यह सवाल इसलिए उठता है कि जब प्रक्रिया सबके लिए समान है, सभी क्षेत्रों पर लागू है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में संचालित हो रही है, तो किस आधार पर इसे लोकतंत्र विरोधी कहा जा सकता है? वास्तव में विपक्ष इस प्रश्न का ठोस, तथ्यपूर्ण उत्तर देने में असफल रहा है। यह आशंका निराधार नहीं कि बंगाल जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए मतदाता बन बैठे हैं। उनके बांग्लादेश लौटने से इसकी पुष्टि भी होती है। यह ठीक है कि पहचान पत्र के रूप में आधार भी मान्य है, लेकिन उसे भी फर्जी तरीके से बनवाया गया हो सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग को दस्तावेजों के सत्यापन का अधिकार मिलना ही चाहिए।सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत विपक्षी तर्कों का विश्लेषण करें, तो उनमें वास्तविक तथ्यों एवं आंकड़ों का अभाव है। भावनात्मक अपीलें, आशंकाओं का जानबूझकर सृजन, प्रशासनिक प्रक्रिया को अविश्वसनीय बताने का प्रयास, और तथ्यों से अधिक आरोपों का शोर–ये सब इस बात की ओर संकेत करते हैं कि उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन को बचाना है। यदि मतदाता सूची वास्तव में त्रुटिरहित है, यदि घुसपैठियों का प्रश्न बिना आधार का है, यदि किसी वर्ग की वैधता पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं, तो फिर सत्यापन से भय क्यों? सत्यापन तो वही व्यक्ति या समूह टालेगा, जो स्वयं को संदेह के घेरे में पाता हो। जो स्वच्छ, वैध और तथ्यपूर्ण हैं उन्हें कभी डर नहीं होता कि जांच उनके लिए समस्या बन जाएगी। इसलिए यह विरोध लोकतंत्र की चिंता नहीं बल्कि लोकतंत्र का उपयोग करके अपने हित साधने की कोशिश प्रतीत होता है। भारत की चुनाव प्रणाली में वर्षों से यह शिकायत उठती रही है कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टियां, मृत व्यक्तियों के नाम, काल्पनिक मतदाता और बाहरी लोगों की अवैध प्रविष्टियां बढ़ती जा रही हैं। इनमें से अधिकांश समस्याएं प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं, लेकिन एक बड़ा हिस्सा ऐसे राजनीतिक हितों का भी है जो ऐसी प्रविष्टियों को बनाए रखने में खुद को लाभान्वित देखते हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत के अनेक राज्यों में स्थानीय राजनीतिक तंत्र विदेशी घुसपैठियों के लिए न केवल छत्रछाया प्रदान करता रहा है, बल्कि उन्हें वोट–आधारित पहचान और सुविधाओं तक पहुंच भी दिलाता रहा है। इन परिस्थितियों में एसआईआर जैसी प्रक्रिया न केवल उचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक है। यह प्रक्रिया जितनी देर से लागू होगी, लोकतंत्र पर उतना ही खतरा बढ़ेगा। एसआईआर के विरोध का एक और पक्ष भी है, और वह है विपक्ष का यह डर कि यदि मतदाता सूची शुद्ध कर दी गई, तो उनका चुनावी गणित प्रभावित होगा। यह राजनीति का वह पक्ष है जिसमें आदर्शवाद के लिए बहुत कम जगह है। राजनीतिक दल अक्सर यह मानकर चलते हैं कि जहां संख्या उनके पक्ष में है, वहां सुधार का कोई हस्तक्षेप उनकी स्थिति

को कमजोर कर सकता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है, क्योंकि लोकतंत्र केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि नागरिक विश्वास और संवैधानिक मूल्यों का संरक्षक है।एसआईआर का उद्देश्य किसी को मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मताधिकार का उपयोग वही करे जो इसके योग्य है, जो देश का वैध नागरिक है, और जिसका नाम सही तरीके से मतदाता सूची में दर्ज है। भारत का भविष्य उन सुधारों पर निर्भर करता है जो चुनावों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाएं। जब तक मतदाता सूची शुद्ध नहीं होगी, तब तक चुनाव परिणामों पर संदेह रहेगा और लोकतंत्र की साख कमजोर होती जाएगी। एसआईआर इस दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जिसे किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव या भ्रम फैलाने वाले अभियानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में यह प्रक्रिया और अधिक निष्पक्ष और संरक्षित होती है, इसलिए विरोध के ये प्रयास और भी आधारहीन प्रतीत होते हैं।लोकतंत्र की मरम्मत और मजबूती का यह अवसर खोना राष्ट्रहित के विरुद्ध होगा। जो दल इस प्रक्रिया को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, वे भले ही इसे जनता के हित का मुद्दा बताने का प्रयास करें, परंतु वस्तुतः वे अपने संकीर्ण हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत को ऐसी राजनीति की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जो सत्य को प्राथमिकता दे, सत्ता से अधिक संविधान को महत्व दे, और मतदाता सूची को राजनीतिक हथियार नहीं बल्कि लोकतंत्र की पवित्र सूची माने। एसआईआर की गति और दायरा इसलिए न केवल बनाए रखना चाहिए, बल्कि उसे और भी तेज, निर्णायक और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भारत का लोकतंत्र अवैध प्रभावों से मुक्त होकर एक मजबूत, पारदर्शी और विश्वसनीय भविष्य की ओर अग्रसर हो सके।

नवंबर में निर्यात में स्वस्थ वृद्धि, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत: Piyush Goyal

नई दिल्ली ।कई उत्पादों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। हमें अपनी आपूर्ति शृंखला की कमजोर कड़ियों को तुरंत पहचानकर दुरूस्त करना होगा। किसी एक देश पर निर्भर रहना पूरे कारोबारी मॉडल को जोखिम में डाल सकता है।"वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अक्टूबर में करीब 12 प्रतिशत गिरावट दर्ज करने वाले भारत के निर्यात की नवंबर में 'स्वस्थ वृद्धि' रही है और दोनों महीनों को मिलाकर भी निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।गोयल ने उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कहा, ''वस्तु निर्यात नवंबर में उससे अधिक बढ़ा है जितना अक्टूबर में घटा था। अगर दोनों महीनों को जोड़ दें तो वैश्विक उठापटक के बावजूद निर्यात में वृद्धि दिखाई देती है।'' हालांकि, उन्होंने नवंबर के निर्यात आंकड़े साझा नहीं किए।

वाणिज्य मंत्रालय 15 दिसंबर को आधिकारिक व्यापार आंकड़े जारी करेगा। अमेरिका द्वारा ऊंचे आयात शुल्क लगाने से अक्टूबर में निर्यात 11.8 प्रतिशत गिर गया था जबकि भारी मात्रा में सोने के आयात से व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर हो गया था।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के पार चले जाने के सवाल पर गोयल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा, "दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि, कई वर्षों में सबसे कम खुदरा मुद्रास्फीति, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बढ़ते निवेश के आंकड़े दिखाते हैं कि अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है।"गोयल ने कहा कि भारत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में वैश्विक साझेदारियों पर काफी सकारात्मक घोषणाएं देखने को मिलेंगी। भारत फिलहाल अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली और पेरू सहित कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत कर रहा है।इसके पहले गोयल ने सीआईआई सम्मेलन में उद्योग जगत से कहा कि व्यापार को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करने के मामलों को देखते हुए कई उत्पादों में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी होगी।उन्होंने कहा कि ऊंचे आयात शुल्क, निर्यात प्रतिबंध और महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति रोकने से भारतीय उद्योग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, "कई उत्पादों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। हमें अपनी आपूर्ति शृंखला की कमजोर कड़ियों को तुरंत पहचानकर दुरूस्त करना होगा। किसी एक देश पर निर्भर रहना पूरे कारोबारी मॉडल को जोखिम में डाल सकता है।"गोयल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में चीन का भारत के औद्योगिक उत्पादों के आयात में हिस्सा 21 प्रतिशत से बढ़कर 30 प्रतिशत होना चिंताजनक है। उन्होंने उद्योगों को सुझाव दिया कि वे नवाचार, आपूर्ति शृंखला में विविधता और आत्मनिर्भर विनिर्माण क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दें।

रुपया शुरुआती कारोबार में 28 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डालर पर

नई दिल्ली ।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.36 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 28 पैसे और टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 28 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में लिए गए निर्णय की घोषणा शुक्रवार को किए जाने से पहले केंद्रीय बैंक के सीमित हस्तक्षेप और आयातकों की डॉलर की भारी मांग के कारण रुपये की विनिमय दर में लगातार गिरावट आ रही है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.36 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 28 पैसे और टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बुधवार को रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार कर 90.15 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

IndiGo की उड़ानें रद्द होने की DGCA ने शुरू की जांच, समाधान योजना का ब्योरा मांगा

नई दिल्ली ।डीजीसीए ने कहा, ''इंडिगो को डीजीसीए मुख्यालय में पेश होकर यह बताना होगा कि मौजूदा अव्यवस्था किस कारण हुई और इसे दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं।''विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने बुधवार को कहा कि इंडिगो की उड़ानों में बड़े स्तर पर हो रही देरी और रद्दीकरण की जांच शुरू कर दी गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन से मौजूदा स्थिति के कारणों और अगले दिनों में सेवाओं को सामान्य करने की उसकी योजना का विस्तृत ब्योरा भी पेश करने को कहा है।देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विभिन्न हवाई अड्डों पर 100 से अधिक उड़ानें रद्द कीं, जबकि कई उड़ानें बहुत देर से संचालित हुईं। इसके लिए चालक दल की कमी को जिम्मेदार बताते हुए अगले 48 घंटे के लिए उड़ान कार्यक्रम में 'संतुलित समायोजन' की घोषणा की गई है।डीजीसीए ने बयान में कहा कि वह इस स्थिति की जांच कर रहा है और एयरलाइन के साथ मिलकर ऐसे कदम ढूंढ रहा है, जिनसे उड़ानों के रद्दीकरण एवं देरी को कम किया जा सके और यात्रियों को होने वाली असुविधा को घटाया जा सके।डीजीसीए ने कहा, ''इंडिगो को डीजीसीए मुख्यालय में पेश होकर यह बताना होगा कि मौजूदा अव्यवस्था किस कारण हुई और इसे दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं।''इंडिगो द्वारा हाल में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में कुल 1,232 उड़ानें रद्द हुईं। इनमें से 755 उड़ानें चालक दल की उपलब्धता और एफडीटीएल नियमों का अनुपालन न हो पाने के कारण रद्द करनी पड़ीं।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

नई दिल्ली ।शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,642.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और निवेशकों की मुनाफावसूली के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजारों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट जारी रही। 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 165. 35 अंक फिसलकर 84,972.92 अंक पर आ गया। 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 77.85 अंक टूटकर 25,954.35 अंक पर रहा।सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एनटीपीसी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में बढ़त दर्ज की गई।एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की 225 सकारात्मक दायरे में रहे जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.43 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,642.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,645.94 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया पहली बार 90 के पार: गिरावट के बीच महंगाई, आयात और घरेलू बजट पर गहरा असर

नई दिल्ली ।रुपया 90 के स्तर के पार टूट गया है, जिसके बाद आयात महंगा, विदेशी शिक्षा और यात्रा खर्च बढ़ा और घरेलू महंगाई का दबाव तेज हुआ है। व्यापार तनाव, विदेशी पूंजी बहिर्गमन और त्ठप् की नई विनिमय दर नीति इसके प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट लोगों के जीवन–स्तर पर तेज असर डाल रही है और आने वाले महीनों में चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं।बुधवार को भारतीय रुपया पहली बार इतिहास में 90 प्रति अमेरिकी डॉलर के नीचे फिसल गया है, जिससे आर्थिक हलकों में चिंता और आम लोगों के बजट में दबाव दोनों बढ़ गए हैं। बता दें कि मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 89.94 पर बंद हुआ था, और भले ही यह गिरावट देखने में बहुत बड़ी न लगे, लेकिन इसका असर व्यापक स्तर पर महसूस किया जा रहा है।मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था आयात पर भारी रूप से निर्भर है, खासकर कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं पर। ऐसे में रुपये की कमजोरी सीधे घरेलू महंगाई को बढ़ाती है। गौरतलब है कि भारत करीब 90: कच्चा तेल और 60: से अधिक खाद्य तेल आयात करता है, जिससे ईंधन, रसोई का खर्च और परिवहन लागत में वृद्धि होना तय माना जा रहा है। इसी वजह से आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव आम परिवारों पर और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।जो छात्र विदेश में पढ़ाई कर रहे हैं या योजना बना रहे हैं, उनके लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण बन गई है। डॉलर में फीस चुकाने वाले छात्रों को पिछले वर्ष की तुलना में 5 से 10 लाख रुपये तक अधिक खर्च करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, 50,000 डॉलर की वार्षिक फीस पहले लगभग 40 लाख रुपये होती थी, जो अब 45 लाख रुपये तक पहुंच रही है। वहीं, डॉलर में लिए गए शिक्षा ऋण की अदायगी भी अब 12–13: तक बढ़ गई है, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।बता दें कि रुपये की कमजोरी के पीछे कई कारण गिनाए जा रहे हैं। भारत–अमेरिका व्यापार वार्ताओं का असफल रहना और अमेरिकी टैरिफ का बढ़ना भारतीय बाजारों पर नकारात्मक असर डाल रहा है। इससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस वर्ष अब तक करीब 17 बिलियन डॉलर भारतीय शेयर बाजारों से निकाल चुके हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (प्डथ्) ने हाल ही में भारत की मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था को ष्स्थिरष् से ष्फ्रॉल–जैसीष् श्रेणी में रखा है, जिसका मतलब है कि रिजर्व बैंक अब रुपये को सख्ती से बचाने के बजाय धीरे–धीरे बाजार के अनुरूप चलने दे रहा है।जानकारों के अनुसार, इस गिरावट का एक अनदेखा पहलू यह भी है कि इस बार डॉलर अपेक्षाकृत स्थिर है, इसलिए कमजोरी की मुख्य वजह घरेलू आर्थिक संकेतक हैं। कई विश्लेषकों का कहना है कि बढ़ता व्यापार घाटा, एफडीआई में सुस्ती और शेयर बाजार से विदेशी निकासी रुपये पर लगातार दबाव बना रहे हैं।फिर भी एक वर्ग ऐसा भी है जिसे रुपये की गिरावट से फायदा हो रहा है विदेशों से आने वाली रेमिटेंसपर निर्भर परिवार। भारत ने 2024 में लगभग 138 बिलियन डॉलर की रेमिटेंस प्राप्त की, और अब 500

डॉलर की मासिक भेजी गई राशि पहले की तुलना में 5,000 रुपये अधिक लेकर आ रही है। कई ग्रामीण और निम्न–आय वाले परिवारों के लिए यह अतिरिक्त रकम शिक्षा, इलाज या नए निवेश में बड़ी मदद बन रही है।जहाँ तक रिजर्व बैंक का सवाल है, फिलहाल केंद्रीय बैंक रुपये को प्राकृतिक रूप से समायोजित होने दे रहा है। हालांकि, उसके पास 690 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप किया जा सकता है। लेकिन मौजूदा संकेत बताते हैं कि रिजर्व बैंकअल्पकालिक बचाव के बजाय दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रहा है।कुल मिलाकर रुपये का 90 के नीचे जाना सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि देश की आर्थिक स्थिति, वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू नीतियों के बीच बदलते संतुलन का संकेत है। जैसे–जैसे रुपये में गिरावट जारी रहती है, वैसे–वैसे आम भारतीय परिवारों की मासिक योजनाओं, भविष्य की वित्तीय तैयारी और रोजमर्रा के खर्चों पर इसका असर गहराता जा रहा है।अर्थव्यवस्था में इन उतार–चढ़ावों के बीच सवाल यही है कि आने वाले महीनों में स्थिति स्थिर होगी या भारतीय उपभोक्ताओं को और कठिन दौर का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि जो माहौल अभी दिखाई दे रहा है, उसके मुताबिक चुनौतियाँ आगे भी जारी रहने वाली हैं।

Finance Minister ने Numaligarh Refinery को नवरत्न का दर्जा दिया

नई दिल्ली ।एनआरएल के बहुलांश शेयरधारक ऑयल इंडिया लिमिटेड हैं। कंपनी की 69.63 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि असम सरकार के पास 26 प्रतिशश्त और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पास 4.37 प्रतिशत शेयरधारिता है।वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) को नवरत्न का दर्जा दिया है। इससे पहले, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत आने वाला एनआरएल के पास मिनीरत्न का दर्जा था।वित्त मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रम विभाग ने मंगलवार को 'एक्स' पर लिखा, ''माननीय वित्त मंत्री ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) को नवरत्न केंद्रीय लोक उपक्रम (सीपीएसई) का दर्जा देने को मंजूरी दे दी है। एनआरएल, सीपीएसई में 27वीं नवरत्न कंपनी होगी।''एनआरएल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की उपक्रम है। इसका सालाना कारोबार 25,147 करोड़ रुपये का है। वित्त वर्ष2024–25 में इसे 1,608 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।एनआरएल के बहुलांश शेयरधारक ऑयल इंडिया लिमिटेड हैं। कंपनी की 69.63 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि असम सरकार के पास 26 प्रतिशश्त और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पास 4.37 प्रतिशत शेयरधारिता है।नवरत्न दर्जे से वित्तीय और परिचालन स्वायत्तता काफी बढ़ जाएगी। यह स्वायत्तता कंपनी को हर सामरिक कदम के लिए सरकार की साफ मंजूरी के बिना तेजी से, स्वतंत्र फैसले लेकर घरेलू और वैश्विक बाजार में ज्यादा असरदार तरीके से मुकाबला करने में मदद करने के लिए बनाई गई है। इससे कंपनी को सरकार की मंजूरी के बिना एक ही परियोजना पर 1,000 करोड़ रुपये या अपनी नेट वर्थ का 15 प्रतिशत तक निवेश करने में मदद मिलेगी।

Raipur ODI में 720 रन बरसे, रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली ।रायपुर वनडे में भारत के 359 रनों के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका ने मार्कराम के शानदार शतक और अंत में बॉश के आतिशी प्रदर्शन से 362 रन बनाकर 4 विकेट से जीत दर्ज की, जिसमें भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन चिंता का विषय रहा। इस हाई–स्कोरिंग मुकाबले में 720 रन बने, जिसने सीरीज को 1–1 की बराबरी पर ला खड़ा किया है, और विशाखापट्टनम में फाइनल मैच का रोमांच तय है।दूसरे वनडे में भारत और दक्षिण अफ्रीका ने मिलकर कुल 720 रन बना दिए, जबकि तीन बल्लेबाजों ने शतक जड़ते हुए मैच को अंतिम ओवर तक जिंदा बनाए रखा हैं। बता दें कि पहला मुकाबला भी रन से भरपूर रहा था, लेकिन इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतर नियंत्रण दिखाया और मैच अपने नाम कर लिया हैं।भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 359 रन खड़े किए, जो किसी भी वनडे मैच में मजबूत स्कोर माना जाता है, लेकिन रायपुर की सपाट पिच और रात की ओस ने गेंदबाजों के लिए हालात काफी कठिन बना दिए। भारतीय गेंदबाजी के दौरान गलत लाइन और लेंथ भी लगातार चिंता का कारण बनी रही। ऐसे क्षणों में कप्तान रोहित शर्मा का निराश होना स्वाभाविक था और कैमरों में वह कई मौकों पर अपनी नाराज भी दिखे।37वें ओवर के दौरान प्रसिद्ध कृष्णा के स्पेल पर एक महत्वपूर्ण दृश्य देखने को मिला। पहले डेवॉल्ड ब्रेवीस ने उन्हें सीधा छक्का लगाया, उसके तुरंत बाद कृष्णा ने वाइड और फिर हाई फुल टॉस फेंक दिया, जिसे नो–बॉल करार दिया गया। फिर भी उन्होंने कोशिश जारी रखी, लेकिन अगले ही गेंद पर मैथ्यू ब्रीट्जके ने कवर ड्राइव से बाउंड्री निकाल दी, जिसके बाद रोहित सीधे गेंदबाज से बात करते दिखे और उन्हें लेंथ व एरिया को समझाते नजर आए। गौरतलब है कि इसी खिलाड़ी को बाद में कृष्णा ने आउट भी किया, लेकिन वह अपने 8.2 ओवर में 85 रन खर्च कर बैठे हैं।दक्षिण अफ्रीका की पारी में शुरुआत में क्विंटन डिकॉक जल्दी आउट हो गए थे, लेकिन इसके बाद मार्कराम ने संयमित रहते हुए शानदार शतक लगाया। वहीं कप्तान बावुमा और ब्रीट्जके ने अहम साझेदारियों के माध्यम से लक्ष्य का पीछा आसान बना दिया हैं। ब्रेवीस ने 34 गेंदों पर 54

रन की तेज पारी खेली और अंत में कॉर्बिन बॉश ने बिना घबराए 15 गेंदों में 29 रन बनाकर मैच को दक्षिण अफ्रीका की ओर मोड़ दिया। नतीजा यह रहा कि अफ्रीकी टीम ने 362ध्6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया हैं।भारत के लिए यह हार ऐसे समय में आई है जब टीम लगातार बड़े स्कोर खड़े कर रही है लेकिन गेंदबाजी में नियंत्रण की कमी मैच छीन ले जा रही है। अब तीन मैचों की सीरीज 1–1 की बराबरी पर लौट आई है और निर्णायक मुकाबला शनिवार को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा, जहाँ दोनों टीमें इस जीत को भुनाने उतरेंगी।

विराट को खारिज करना बड़ी भूल: हरभजन सिंह का आलोचकों पर तीखा हमला, गायकवाड़ की भी की जमकर तारीफ

नई दिल्ली ।विराट कोहली के 53वें वनडे शतक पर हरभजन सिंह ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे फिट खिलाड़ियों को नई पीढ़ी के बहाने दरकिनार नहीं किया जा सकता। रायपुर में रुतुराज गायकवाड़ के साथ उनकी 195 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नया कीर्तिमान रचा, जो उनकी अहमियत साबित करता है।पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली के आलोचकों की आलोचना की है, जब इस दिग्गज बल्लेबाज ने रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे मैच में अपना 53वां वनडे शतक जड़ा। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। कोहली ने रांची में खेले गए पहले वनडे में 135 रनों की पारी खेली, जिसे भारत ने 17 रनों से जीता।37 वर्षीय कोहली ने रायपुर में दूसरे वनडे में अपनी क्लास का प्रदर्शन करते हुए 93 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिससे मेन इन ब्लू ने 50 ओवरों में 358ध्5 का स्कोर बनाया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट से यादगार जीत दर्ज की और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1–1 से बराबर कर ली। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए, पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन ने कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें बदलाव के कारण दरकिनार नहीं किया जा सकता। लोग उन्हें खारिज कर रहे हैं कह रहे हैं कि यह नई पीढ़ी है, नए खिलाड़ियों को आना चाहिए। आपके नए खिलाड़ियों में भी ऐसा कोई फिट खिलाड़ी नहीं है। है कोई? अगर आप विराट कोहली पर उंगली उठाकर कह सकते हैं कि उनके लिए कोई जगह नहीं है, तो भाई, आप क्या कर रहे हैं?हरभजन ने रायपुर वनडे में अपना पहला वनडे शतक लगाने वाले रुतुराज गायकवाड़ की जमकर तारीफ की। चौथे नंबर पर खेल रहे गायकवाड़ ने 83 गेंदों पर 105 रनों की शानदार पारी खेली। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कोहली के साथ भारत के लिए तीसरे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की। कोहली और गायकवाड़ की 195 रनों की साझेदारी पुरुषों के वनडे मैचों में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की ओर से किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जो 2010 में ग्वालियर में सचिन तेंदुलकर और दिनेश कार्तिक के बीच दूसरे विकेट के लिए बनी 194 रनों की साझेदारी से आगे है।पूर्व गेंदबाज ने कहा कि रुतुराज शानदार हैं। शानदार खिलाड़ी।

कोहली, रोहित के लिए उम्र महज एक संख्या, 2027 विश्व कप तक खेलना संभव: Tim Southee

नई दिल्ली ।साउदी ने भारत की हार को अधिक गंभीर रूप में नहीं देखा। उन्होंने कहा, "भारत का बहुत अनुभव कम हो गया है। अब वे फिर से टीम बनाने के चरण में हैं। जब हम वहां गए थे तब उनके पास बहुत अनुभव वाली टीम थी।न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज टिम साउदी का मानना है कि अगर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा उम्र को धत्ता बताने वाले बल्लेबाजी प्रदर्शन जारी रखते हैं तो वे अपने करियर को 2027 के वनडे विश्व कप तक बढ़ा सकते हैं।कोहली ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वह शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में लगातार दो शतक जड़ दिए हैं। वहीं रोहित ने भी पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ अपनी बेहतरीन फॉर्म दिखाई।शारजाह वारियर्स की कप्तानी कर रहे साउदी ने आईएलटी20 के चौथे सत्र के मौके पर मीडिया से कहा, "कोहली शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ वनडे बल्लेबाज हैं और अगर वह अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं तो क्यों नहीं। " उन्होंने कहा, "रोहित ने भी हाल में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया है तो वे दोनों अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक वे टीम के लिए योगदान दे रहे हैं, तब तक मेरी राय में उम्र महज एक संख्या है। "2027 वर्ल्ड कप में दोनों बल्लेबाज लगभग 39 साल के होंगे इसलिए उनके भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है। साउदी ने कहा, "ये उनका निर्णय है। अगर उन्हें लगता है कि वे अब भी उच्चतम स्तर पर खेलने के लिए जरूरी सभी चीजें कर सकते हैं तो क्यों नहीं। "उन्होंने कहा, "जैसा मैंने कहा कि आपके पास विराट कोहली हैं जो शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ वनडे बल्लेबाज हैं और अगर वह वनडे विश्व कप के लिए उपलब्ध हैं तो मुझे लगता है कि टीम उन्हें खेलते देखना चाहेगी। " भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 वर्षों में पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट श्रृंखला में 0–2 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले सांसद, टेट अनिवार्यता समाप्ति पर हुई चर्चा

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच 1 सितंबर 2025 के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के टीईटी अनिवार्यता निर्णय से देश लाखो शिक्षक प्रभावित हो रहे है उनकी सेवा को सुरक्षित रखने के लिए कल तीन दिसम्बर को पश्चिम बंगाल के विष्णुपुर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद सौमित्र खां ने दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर शिक्षकों के पक्ष में उनकी सेवा सुरक्षित रखे जाने हेतु मजबूती से अपनी बात रखी। संसद सत्र के शून्य काल में सांसद प्रवीण पटेल एवं सांसद इमरान मसूद ने भी टीईटी अनिवार्यता हेतु विधायी हस्तक्षेप एवं सेवा सुरक्षा हेतु आवश्यक संशोधन किए जाने की मांगध्बात उठाई है।राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच के जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र ने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सफल और सही समय पर किए गए प्रयासों से हम सभी की आवाज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंच गई है।पूर्ण विश्वास है कि,जल्द ही प्रधानमंत्री के द्वारा हम सभी को न्याय मिलेगा कई वर्षों से सेवारत शिक्षकों की टीईटी अहर्ता की अनिवार्यता समाप्त होगी। वही जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज कुमार वर्मा, जिला महामंत्री उमेश त्रिपाठी, जिला कोषाध्यक्ष सगीर अंसारी सहित सभी पदाधिकारियों तथा शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के निर्णय को समाप्त किए जाने की बात उचित बताया है।

थाना इकदिल पर गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। मिशन शक्ति फेज 5.0 थाना इकदिल पर गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत पंपलेट वितरण किया गया व हेल्पलाइन ,साइबर क्राइम नंबरों के बारे में जागरूक करते हुए महिलाओं बालिकाओं को सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता के विषय में जानकारी दी। इस दौरान उन्हें महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर एवं सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा ६ एंबुलेंस रू 102, 108, वीमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन रू 1076, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930गैस रिसाव हेल्पलाइन 1906। उपभोक्ता अधिकार 1915 स्वस्थ और सतर्क रहना ही असली सुरक्षा है। सरकारी योजनाएँ विधवा पेंशन योजना। वृद्धावस्था पेंशन योजना। सुकन्या समृद्धि योजना। प्रधानमंत्री आवास योजना। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना। नशा मुक्ति भारत अभियान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन स्वास्थ्य बीमा योजना इन योजनाओं का लाभ अपने और परिवार के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उठाने एवं हेल्पलाइन नंबर और योजनाओं की जानकारी परिवार और दोस्तों के साथ साझा करने। छात्र ६ छात्राओं को पढ़ाई को हमेशा प्राथमिकता दें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने। सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें और सीखी हुई जानकारी परिवार व यातायात दोस्तों से साझा करें।

आंगनवाड़ी कार्यकत्री ध्सहायिकाओं के रिक्तपदों पर आवेदन की अंतिम तिथि में बढ़ोत्तरी, 16 दिसंबर तक करे आवेदन

न्यूज वाणी ब्यूरो

मऊ। जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि आंगनबाडी कार्यकत्रीध्सहायिका की प्रचलित भर्ती प्रकिया के अन्तर्गत जनपद में आंगनबाडी कार्यकत्री ६ सहायिकाओं के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती किए जाने हेतु चयन हेतु निदेशालय स्तर से भर्ती हेतु निर्गत निर्देशों के क्रम में भर्ती पोर्टल एवं अभ्यर्थियों की सुविधा के .ष्टिगत जिलाधिकारी के अनुमोदनोपरान्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त–1044 पदों के लिए प्रकाशित विज्ञति के द्वारा भर्ती पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करने हेतु अन्तिम तिथि 04.12.2025 से विस्तारित करते हुये दिनांक 14.12.2025 तक तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त–21 पदो के लिए प्रकाशित विज्ञशि के द्वारा भर्ती पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करने हेतु अन्तिम तिथि 06.12.2025 से 16.12.2025 तक विस्तारित की जाती है।

घोसी सांसद राजीव राय ने सदन में उठाया वाराणसी-गोरखपुर राजमार्ग के बदहाली का मुद्दा

न्यूज वाणी ब्यूरो

मऊ।घोसी सांसद राजीव राय ने आज सदन में मऊ बलिया फोरलेन स्वी.त किए जाने पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद ज्ञापित किया, साथ ही साथ केंद्रीय मंत्री से सवाल करते हुए घोसी सांसद राजीव राय ने घोसी लोकसभा क्षेत्र से गुजरने वाली वाराणसी–गोरखपुर राजमार्ग की बदहाली के बाबत सवाल पूछा, घोसी सांसद राजीव राय घोसी लोकसभा के अंतर्गत ग्राम सहरोज के समीप वाराणसी–गोरखपुर राजमार्ग पर बन रहे लाईओवर के निर्माण कार्य के अब तक पूरा न होने का मामला केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री के संज्ञान में लाये। घोसी सांसद ने निर्माणाधीन लाईओवर के पास आए दिन हुए कई मार्ग दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए सवाल पूछा कि माननीय मंत्री जी आपके मंत्रालय ने जवाब दिया था कि 30 मई 2025 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, किंतु अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है जिसके चलते निर्माणाधीन लाईओवर के पास आए दिन हादसों में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। अतः मंत्री जी, आप बताने का कष्ट करें कि वाराणसी गोरखपुर राजमार्ग पूरी तरह से कब तक बनकर पूर्ण हो जाएगा। जिस पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री ने जवाब देते हुए घोसी सांसद राजीव राय को आश्वस्त किया कि उक्त राजमार्ग का निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

मिशन शक्तिफेज 5 के अंतर्गत महिलाओ को जनपद मे किया जा रहा जागरुक

हमीरपुर।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर निर्देशन महिला पुलिस कर्मियों, मिशन शक्ति प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक जाकर महिलाओं की सुरक्षा और जागरुक किया जा रहा है । को आत्मरक्षा, गुड टच , बैड टच तथा अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया कि बस,रास्तों,सार्वजनिक स्थल की घटना होने पर डरने के बजाय थाना पर जाकर तत्काल एफ0आई0आर0 मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, रहे "मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत में जनपद के समस्त थानों पर तैनात टीम के द्वारा अपने–अपने क्षेत्र अंतर्गत स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में इसी क्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी गया । महिलाओं ,बालिकाओं को बताया में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व के लिए जागरुक किया गया । सोशल फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि) का सावध ानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निर्देशों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई । महिला एवं बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया व स्वयं नियमें का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइवर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने वाले अन्तरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार

जौनपुर। जलालपुर थाना पुलिस व साइबर क्राइम टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए फर्जी जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र तैयार करने वाले एक अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 9 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।असबरनपुर निवासी रतन कुमार ने अपनी बेटी का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने हेतु विजय यादव नामक व्यक्ति को दस्तावेज दिए थे। विजय ने उन्हें जो प्रमाणपत्र उपलब्ध ा कराया, वह ब्डट कार्यालय से सत्यापन में फर्जी पाया गया। जांच में सामने आया कि विजय यादव एक बड़े गैंग से जुड़ा है, जो ऑनलाइन सिस्टम हैक कर फर्जी प्रमाणपत्र मोटी रकम लेकर तैयार करता था।रतन कुमार की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने जांच शुरू की और टेक्नोलॉजी की मदद से गैंग के सक्रिय सदस्यों तक पहुंच गई।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में दो टीमों का गठन हुआ।4 दिसंबर को पहली टीम ने नहोरा सई नदी के पास से दो आरोपियोंअंकित यादव उर्फ शुभम यादव (मऊ), राज कुमार उर्फ विक्की (गौतमबुद्ध नगर) को तीन मोबाइल व तीन लैपटॉप सहित गिरफ्तार किया। दूसरी टीम ने बाकराबाद हाईवे तिराहे से तीन अन्य अभियुक्तकृ राशिद (मधुबनी, बिहार) राजीव कुमार (अमरोहा) अभिषेक गुप्ता (लखनऊ) को छह मोबाइल व एक लैपटॉप के साथ पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे ग्राम पंचायतों की आईडी से मिलते–जुलते पासवर्ड ट्राई कर लॉगिन करते थे। इसके बाद ।दलक्मो सॉफ्टवेयर से स्क्रीन शेयरिंग के जरिए पासवर्ड जनरेट कर लेते थे और उसी माध्यम से फर्जी जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र बनाकर लोगों से मोटी रकम वसूलते थे।

सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान,महिलाओं को बचाव और शुरुआती जांच के महत्व की जानकारी

वाराणसी,संवाददाता। चौबेपुर क्षेत्र में महिलाओं को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरपतपुर में लोक चेतना समिति और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। संस्था की महिला सहायिका चारु ने बताया कि अभियान के तहत टीमें गाँव–गाँव जाकर महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, विशेषकर कैंसर की रोकथाम और शुरुआती जांच के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दे रही हैं। महिलाओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में उपलब्ध जांच–उपचार सुविधाओं से भी अवगत कराया जा रहा है, ताकि वे समय पर जांच करा सकें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरपतपुर के अधीक्षक डॉ. राजनाथ ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी रोग की समय पर पहचान और सही उपचार से उसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने जोर दिया कि जानकारी के अभाव में संक्रमण बढ़ जाने पर इलाज जटिल हो जाता है। डॉ. राजनाथ ने मरीजों को दवा बीच में न छोड़ने, नियमित जांच कराने और डॉक्टर की सलाह का पालन करने की सलाह दी। विशेषज्ञों के अनुसार, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (बच्चेदानी के मुँह का कैंसर) भारत में महिलाओं के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनता जा रहा है। समय पर जांच, टीकाकरण और जागरूकता से इस बीमारी से बचाव संभव है। स्वास्थ्य संगठनों का कहना है कि यह कैंसर मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण के कारण होता है, जो कई वर्षों तक बिना लक्षण के शरीर में रह सकता है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के शुरुआती चरणों में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते। हालांकि, मासिक धर्म, संभोग या रजोनिवृत्ति के बाद असामान्य रक्तस्राव, योनि से बदबूदार या असामान्य स्राव, पेट के निचले हिस्से व कमर में लगातार दर्द, और अत्यधिक थकान व कमजोरी इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। इस कैंसर के मुख्य कारणों में लंबे समय तक एचपीवी संक्रमण का बने रहना, धूम्रपान, कमजोर प्रतिरोध ाक क्षमता और नियमित पैप स्मीयर टेस्ट न कराना शामिल हैं। 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं, एक से अधिक यौन साथी वाली महिलाएं, कम उम्र में यौन संबंधों की शुरुआत करने वाली, बार–बार गर्भधारण करने वाली, निजी स्वच्छता में कमी वाली या यौन रोगों का इतिहास रखने वाली महिलाओं में इसका जोखिम अधिक होता है। रोकथाम कैसे संभव? विशेषज्ञों के अनुसार समय–समय पर पैप स्मीयर टेस्ट, वैक्सीन तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ जीवनशैली अपनाकर इस कैंसर की रोकथाम की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस विषय पर जागरूकता अभियान चलाया जाना अत्यंत आवश्यक है।सर्वाइकल कैंसर पर चौबेपुर में चलाया गया यह जागरूकता अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दक्षिण और काशी के कलाकारों की सांस्×तिक प्रस्तुति,काशी तमिल संगमम में पहुंचे डेलिगेट्स

वाराणसी,संवाददाता। काशी तमिल संगमम 4.0 संस्करण के द्वितीय दिवस नमोघाट स्थित मुक्ताकाशी प्रांगण में तमिलनाडु एवं काशी के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगो को विभोर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम प्रस्तुति संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित व्याख्यान केंद्र के छात्रों द्वारा भजन एवं लोक गायन से शुरू हुई। जिसमें चाईत मासे बोले रे कोयलिया,राम जी लेहले जनमवा, शंकर तेरी जटा से, रामजी से पूछे जनकपुर के नारी आदि की प्रस्तुति की गई। द्वितीय प्रस्तुति जय शंकर एवं ग्रुप, चेन्नई द्वारा तमिल के लोक नृत्य (अम्मन) की। जिसमें देवी पार्वती की आराध ना नृत्य के माध्यम से किया गया। तृतीय प्रस्तुति रही काशी के कलाकार गौरव सौरभ मिश्रा द्वारा कथक नृत्य की। कथक नृत्य का आरंभ शिव तांडव से किया गया, साथ ही पारंपरिक कथक। इसी क्रम में राधा कृष्ण पर आधारित भाव नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति की गई। नृत्य का समापन आनंद तांडव के किया गया। चतुर्थ प्रस्तुति स्मृति शाही एवं दल द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य की, राजस्थानी गीत बन्ना रे बाग में झूलाध से। कलाकार थे हृषिका राज, आशना, साक्षी गुप्ता, आयुषी दूबे,रुद्री पाण्डेय, सेजल मौर्या। पंचम एवं अंतिम प्रस्तुति रही पुनः जय शंकर एवं ग्रुप, चेन्नई द्वारा तमिल के लोक नृत्य (करगम, कावड़ी) की रही। काशी तमिल संगमम् 4.0 के तहत बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम शैक्षणिक सत्र में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विविधताओं में निहित समानताएँ ही हमें एक सूत्र में जोड़ती हैं और यही हमारी भारतीय पहचान का मूल आधार है। कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि काशी तमिल संगमम् उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संवाद और समझ को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय राज्यों में मौजूद समानताएँ हमारी विविधता को कम नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता को और अधिक समृद्ध बनाती हैं। कुलपति ने 'शब्द' नामक एआई आध ारित अनुवाद उपकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक संवाद को और सुलभ बना रही है और केटीएस का उद्देश्य भी "एकता के विविध आयामों को पहचानना और उनका उत्सव मनाना" है।

आगरा पुलिस का कारनामा, सेक्स रैकेट पकड़ा, शांतिभंग में कार्रवाई,

पत्नी ने अपने पति पर रैकेट चलाने की शिकायत की थी

आगरा,संवाददाता। आगरा के थाना सिकंदरा थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर घर में देह व्यापार चलने की शिकायत की। पुलिस ने छापा भी मारा। घर से युवक और युवतियों को पकड़ा गया था। वीडियो में भी युवतियां मुंह ढके निकलते दिख रही हैं। मगर, पुलिस ने देह व्यापार के मामले को शांति भंग में बदल कर कार्रवाई कर दी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की तो घर के बाहर हंगामा होने पर कार्रवाई की फर्जी रिपोर्ट दे दी। अधिकारियों से शिकायत करने पर पारिवारिक विवाद बताकर लौटा दिया गया। गुरुवार को पुलिस कार्रवाई का सीसीटीवी वीडियो वायरल हुआ है। मामला आवास विकास कालोनी सेक्टर 11 का है। यहां की रहने वाली महिला शिक्षिका का पति की हरकतों के चलते विवाद था। वह बेटी के साथ चार माह से मायके रह रही थी। उसे जानकारी हुई कि उसका पति उनकी अनुपस्थिति में घर में देह व्यापार और नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहा है। 26 अक्टूबर को पुलिस हेल्पलाइन 112,1090 और 1076 पर काल कर शिकायत कर दी। पुलिस आई तो घर पर चार महिला और दो युवक मिले। पुलिस भारी भीड़ के बीच उन्हें लेकर थाने आई। देह व्यापार की शिकायत पर पुलिस ने अगले दिन बीच सड़क हंगामा करने की बात लिखकर आरोपी पति समेत तीन युवक और एक युवती का शांति भंग की धारा में चालान कर दिया। पीड़िता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की तो वहां भी आपसी विवाद बताकर शांति भंग में कार्रवाई की रिपोर्ट देकर शिकायत निस्तारित कर दी। मौके पर कार्रवाई का वीडियो बनाने वाले एक यूट्यूबर का भी आरोपियों के साथ चालान किया गया है। गुरुवार को पुलिस ने घर पर छापेमारी कर युवक युवतियों को हिरासत में लेने और घर पर युवक युवतियों के आने के वीडियो और फोटो वायरल हो गए।सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता नरेश पारस ने पुलिस की इस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर घर से युवक–युवतियों के निकलते हुए वीडियो भी डाला है। उन्होंने सवाल उठाया है कि जब घर से मुंह ढके युवक–युवती निकल रहे हैं तो शांति भंग की धारा कैसे लग सकती है।

निजामुद्दीनपुर में पूर्व प्रधान को श्रद्धांजलि,ग्रामीणों ने उनके विकास कार्यों को याद किया

अमेठी,संवाददाता। निजामुद्दीनपुर गांव में गुरुवार को पूर्व प्रधान स्व. गुरुशरण यादव की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने स्व. गुरुशरण यादव के व्यक्तित्व, कार्यशैली और गांव के विकास के लिए किए गए प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा कि गुरुशरण प्रधान सरल, मिलनसार और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। इस अवसर पर वर्तमान ग्राम प्रधान केवला देवी ने बुजुर्ग महिलाओं को सम्मान स्वरूप शॉल वितरित किए। उपस्थित ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे स्व. प्रधान के अधूरे कार्यों को पूरा कर उनके सपनों के अनुरूप गांव के विकास को गति देंगे। इस कार्यक्रम में राजू ओझा, सैय्यद मकसूदुल हसन, नरेंद्र यादव, सुरेन्द्र यादव, बकशीष, अजय कुमार, राहुल गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, जयलाल और पी एन कनोजिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

मण्डल स्तरीय बाल विज्ञान मण्डल प्रदर्शनी में जनपद के 53 प्रतिभागी करेंगे प्रतिभाग: अश्वनी जैन

न्यूज वाणी ब्यूरो

फिरोजाबादरु– उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, प्रयागराज के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा विभाग फिरोजाबाद के तत्वाधान में जिला विद्यालय निरीक्षक, फिरोजाबाद धीरेन्द्र कुमार के निर्देशन में 53 वीं जवाहरलाल नेहरु बाल विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का जनपद स्तर पर आयोजन श्री एम. डी. जैन इंटर कालेज, सिरसागंज में 18 नवम्बर 2025 को नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार जैन एवं प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन के संयोजन में हुआ था। नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, फिरोजाबाद के चयनित 53 प्रतिभागी 05 एवं 06 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे एम डी जैन इंटर कॉलेज, हरीपर्वत आगरा में चयनित प्रतिभागी अभिजीत, तुवा, राधा, अंशिका, आयुष शर्मा, विशाल, मुस्कान, आदर्श, आफरीन, .ष्णा, रिया सिंह, गुरु प्रिया, दीक्षा, हर्ष कुमार, अर्पित कुमार, सिरोत्तम, सनी, ज्योति, मानसी, मोहम्मद कैश, वाशु देव, अनन्या, रिशु कुमार, गरिमा, रोहन, प्रिंस, जानवी, अंजली, राजीव, सचिन, अनन्या, आरजू, शिवम, दिव्यांशु सिंह, रागिनी, स्वेता कुमारी, अजरा, जानवी, आराध्या, प्रीत कुमार, आस्था, सौम्या एवं अध्यापक संवर्ग में अश्वनी कुमार जैन के साथ काजल, प्राची दीक्षित, वर्षा, संजना सिंह, विक्रांत, मोहित, सावन यादव, यामिनी, अभिनय मोहन, वीपेश अपने मॉडलों का प्रस्तुतिकरण करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा मे परिवार नियोजन के तहत नसबंदी का आयोजन किया

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच बाबागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा मे परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत नसबंदी कैंप का आयोजन किया गया नसबंदी कार्यक्रम में विकासखंड नवाबगंज के कई ग्राम पंचायत की महिलाएं आई चिकित्सा अधि ाकारी डॉक्टर महेश कुमार ने बताया कि 20 महिलाओं का रजिस्ट्रेशन हुआ था जिसमें 18 महिलाओं का नसबंदी हुआ आपने बताया कि अनुभवी डॉक्टरों द्वारा व साथ में स्टाफ नर्स की देख रेख में नसबंदी किया गया। डॉक्टरों की टीम में डॉक्टर मन्त देव सर्जन, श्रीमती रुचि सिंह नर्स, आशुतोष कुमार वर्मा फार्मासिस्ट, राहुल कुमार वार्ड बॉय, एवं स्वास्थ्य पर्यवेक्षक हरिराम आर्य के देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वरिष्ठ अधिवक्ता करेंगे संगठन को मजबूत

फिरोजाबाद द्य इंटरनेशनल एडवोकेट आर्गेनाइजेशन की जनपद एवं सत्र न्यायालय के प्रांगण में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने के लिए की सदस्यता ग्रहण कीजिला अध्यक्ष संजय त्रिपाठी एडवोकेट ने वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक शर्मा एडवोकेट को संरक्षक का दायित्व सौंपा, जबकि विश्राम सिंह राठौर एडवोकेट को सह संयोजक का दायित्व नॉमिनेशन प्रमाण पत्र से विभूषित कर सम्मानित किया इस दौरान सत्य प्रकाश कुशवाह उपाध्यक्ष विधि व हेमन्त कुमार एडवोकेट सचिव न्याय एवं विधि ा मौजूद थे। जिलाध्यक्ष संजय त्रिपाठी एडवोकेट ने सभी का धन्यवाद देते हुए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं ।

आगामी लोक अदालत के आयोजन के लिए बैठक संपन्न

हमीरपुर ।जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय के निर्देशन में आगामी

लोक अदालत दिनांक 13 दिसंबर 2025 के सफल आयोजन हेतु सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा बैंक एवं प्रशासनिक अधिकारीगण के साथ बैठक की गयी, बैठक में अपर जिलाधिकारी विजय शंकर तिवारी, लीड बैंक मैनेजर संगम लाल मिश्रा, परिवहन विभाग की ओर से वरिष्ठ सहायक सत्यम बाजपेई प्रभारी तहसीलदार सदर वीरपाल सिंह, तहसीलदार मौदहा की ओर से नायब तहसीलदार महेन्द्र गुप्ता, तहसील राठ की ओर से नायब तहसीलदार सुभाष वर्मा, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत उपखण राठ रमेश चन्द्र, टेलीकॉम मैनेजर की ओर से ए0ओ0 अमर महरोत्रा, के साथ अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित हुए। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित सभी अधिकारीगण को निर्देशित किया गया। जिला मुख्यालय तथा विभिन्न तहसीलों में ऐसे स्थान जहां जनसामान्य की अधिकाधि ाक संख्या मौजूद हो जैसे न्यायालय, कलेक्ट्रेट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, हाट बाजार तहसील मुख्यालय, बैंक आदि जगहों पर लोक अदालत की भव्य सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु व प्रचार–प्रसार हेतु प्रयास करे व जनसहभागिता सुनिश्चित करे तथा अपने – अपने न्यायालय व विभाग में लम्बित अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित कर लोक अदालत में निस्तारित कराये जाने का प्रयास करें।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई कर शिकायतो को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

हमीरपुर । जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधि ाकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में लगभग 90 शिकायते प्राप्त हुई जिनमें से अधिकांश का जिलाधिकारी ने त्वरित ढंग से मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम , खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल, जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अन्य संबंधि ात अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए।

मध्य प्रदेश.यूपी सीमा पर सख्ती बिना वैध प्रपत्र लाई जा रही खनन सामग्री पर कार्रवाई, मुकदमा दर्ज

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा । खनन विभाग एवं थाना बढ़पुरा पुलिस द्वारा संयुक्त रुप से चलाया गया चैकिंग अभियान । दिनांक 04.12.2025 को निवारक कार्यवाही के तहत जिला खनन अधिकारी तथा थाना बढ़पुरा पुलिस टीम द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान संचालित किया गया। यह अभियान मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश की सीमा पर अवैध रूप से बिना वैध प्रपत्र के लाई जा रही खनन सामग्री पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाया गया। सघन चैकिंग के दौरान चंबल पुल के पास कुल 04 ट्रकों को अवैध परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर धारा 207 एम.वी. एक्ट के अंतर्गत सीज किया गया। सीज किए गए वाहनों पर लगभग ₹2.5 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसी क्रम में 01 चालक व उसके वाहन स्वामी के विरुद्ध मु0अ0सं0 106/2025 धारा 336(3), 338, 340 (2), 61(2) ठछै पंजी.त करते हुये अभियुक्त 1. विनोद सिंह पुत्र जिलेदार सिंह निवासी ग्राम डिडी थाना कोतवाली देहात जिला भिंड मध्य प्रदेश को गिरतार किया गया । जनपद इटावा पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

एसएसपी द्वारा जनसुनवाई में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं।

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा जनसुनवाई में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्र शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । दिनांक 04.12.2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा पुलिस कार्यालय में नियमित रुप से होने वाली जनसुनवाई की गयी । जिसमें अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों के आवेदन लेकर उन्हें न्यायोचित/गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का आश्वासन दिया एसएसपी द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों की शिकायतो को गंभीरतापूर्वक सुना एवं संबंधित राजपत्रित अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारी से स्वयं वार्ता कर आवेदकों की शिकायत का निराकरण किये जाने हेतु निर्देशित किया। फरियादियों की शिकायतों का तत्परता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना इटावा पुलिस की प्राथमिकता है।

वरिष्ठ भाजपा नेता शरद बाजपेयी ने दी आमरण अनशन की चेतावनी

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नगर पालिका परिषद में नेता प्रतिपक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल शरद बाजपेयी ने डीएम शुभ्रांत शुक्ला से मुलाकात की, उन्होंने अटल पथ पर लगी अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा की मुद्रा पर आपत्ति जताई और बीस दिसम्बर तक इस प्रतिमा को बदलकर सावधान की मुद्रा में या अभिवादन करते हुए लगाने की मांग की और अगर प्रतिमा बीस दिसम्बर तक बदलकर नहीं लगाई गई तो इक्कीस दिसम्बर को आमरण अनशन पर बैठने की चेतावनी दी। इस सम्बन्ध में भाजपा नेता शरद बाजपेयी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पिछले लगभग डेढ़–दो वर्षों से प्रार्थना पत्र दे रहा हूं 2024 से 2025 तक मैं छरू प्रार्थना पत्र दे चुका हूं लेकिन प्रशासन टस से मस नहीं हुआ न ही गम्भीर दिखाई दिया, जब हाथ जोड़कर अटल जी की प्रतिमा लगाई गई थी तो मेरे विरोध करने पर प्रतिमा को हटवाया गया लेकिन उस प्रतिमा के हाथ जोड़े हटाकर, उन हाथों को छाती पर रख दिया गया है यह अनोखी मुद्रा सिर्फ इटावा में ही दिखाई देगी, मेरी ये समझ में नहीं आ रहा कि जब प्रतिमा को हटाया ही गया था तो फिर सावधान की मुद्रा में क्यों नहीं लगाया गया, कौन है जिसके कारण अटल जी का इतना अपमान हो रहा है शरद बाजपेयी ने कहा कि मैंने डीएम साहब से मांग की है कि 20 दिसम्बर तक अटल जी की प्रतिमा को सावधान की मुद्रा में या अभिवादन करते हुए लगाया जाए साथ ही प्रतिमा के ऊपर एक बड़ा छत्र लगाया जाए व प्लेटफार्म को बड़ा किया जाए जिसके लिए दो घेरों के बाद तीसरा बड़ा घेरा बनाकर प्लेटफार्म बड़ा किया जाए इसी घेरे पर लाइटें व फुब्बारे लगाईं जांए। जिससे 25 दिसम्बर को उनके जन्मदिन पर इस प्रतिमा का दिव्य और भव्य अनावरण कराया जाए। शरद बाजपेयी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न के साथ इस तरह का व्यवहार बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जो प्रतिमा अभी लगी है और जिस मुद्रा में है इस प्रतिमा का अनावरण बिल्कुल नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए चेताया कि उनकी मांगों को 20 दिसम्बर तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए, अगर बीस दिसम्बर तक प्रतिमा बदलकर नहीं लगाई गई और मांगों को पूर्ण नहीं किया गया तो 21 दिसम्बर को अटल जी के चरणों में इटावा वासियों के साथ आमरण अनशन पर बैठूंगा। इसलिए मेरी मांगों को गम्भीरता से लेते हुए समय से पूर्ण करायें जिससे 25 दिसम्बर को श्रद्धेय अटल जी की प्रतिमा का दिव्य और भव्य अनावरण हो। इस अवसर पर पूर्व नगर उपाध्यक्ष अरुण मिश्रा, सोमेश अवस्थी, एस पी सिंह तोमर आदि सहित नगरवासी उपस्थित रहे।

शासन के मुखिया के भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस को खुलेआम चुनौती

-जलकल अभियंता से लेकर अधिशासी अधिकारी की भूमिका संदिग्ध।

न्यूज वाणी ब्यूरो

डलमऊ रायबरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुले मंच से आधिकारिक रूप से भ्रस्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात कहते नजर आ जाते है जिस पर प्रभावशाली कार्यवाही के न होने के कारण कार्यपालिका के अधिकारियों से लेकर ठेकेदारों तक जमकर लूट के हिस्सेदार बन कर मलाई खा रहे है वहीं नगर पंचायत डलमऊ के अधिशासी अधिकारी सिकंद्रादित्य की लचर कार्यशैली सूबे के मुखिया से लेकर रायबरेली की जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व अपर जिलाधिकारी की ईमानदार साख पर भ्रस्टाचार का बट्टा – लगाने को बेताब दिखाई पड़ रहे है नगर पंचायत डलमऊ के पूर्व अधिशासी अधिकारी से लेकर वर्तमान अधिशासी अधिकारी व कनिष्ठ अभियंता केशरीलाल की मिलीभगत कहें या इसे भ्रस्टाचार की पराकाष्ठा पार कर शासन के धन पर खुलेआम लूट कहा जाए तो अतिश्योक्ति न होगी। कितना और क्या है अभियंता का एस्टीमेट शासन द्वारा समय समय पर पेयजल आपुर्ति कार्यों हेतु नगर पंचायत डलमऊ को 1 करोड़ 80 लाख तेईस रुपये के नगर क्षेत्र में तेरह सोलर आरओ फ्रीजर हेतु आवंटित किए गए जो आज एक वर्ष के भीतर ही पूर्णतः खराब हो चुके है जिसमे कुछ तो अपने कार्य का 10 प्रतिशत होने के बाद ही 100 प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करा लिया ये कैसे संभव हुआ इसकी जानकारी के लिए जलकल अभियंता नगर पालिका परिषद व अधिशासी अधिकारी ही बता सकते है आज एक वर्ष के भीतर सभी आर ओ पूर्णतः खराब या त्रुटि के साथ देखे जा सकते है भ्रष्ट निविदा कार्य पर भुगतान की स्वी.त में शामिल खिलाड़ी। डलमऊ नगर पंचायत का भुगतान सुनिश्चित करने वाली पूर्व अधिशासी अधिकारी आरती श्रीवास्तव और कनिष्ठ अभियंता की जुगल जोड़ी ने लगभग 80 लाख के एक कार्य के भुगतान की सुनिश्चितता इस बात का प्रमाण है कि पेयजल योजना के इस कार्य मे लगभग 80 प्रतिशत शासन का धन खर्च किये बिना ही उसका भुगतान करा लिया गया जिसकी जांच के उपरांत इसके गबन में शामिल सभी खिलाड़ियों के नाम का पर्दाफाश हो सकता है ऐसे कार्यों के भुगतान की सुनिश्चितता करने व उसकी एम बी करने वाले कनिष्ठ अभियंता केशरी लाल जो आज भी नगर पंचायत डलमऊ के भुगतान कार्य की जांच व भुगतान सुनिश्चित कर रहे है जबकि पूर्व अधिशासी अधिकारी श्री मती आरती श्रीवास्तव का स्थांतरण गैर जनपद में हो चुका है ये महज एक बानगी मात्र है जबकि नगर पंचायत के ठेकेदारों द्वारानगर पंचायत अध्यक्ष, कनिष्ठ अभियंता से लेकर अधिशासी अधिकारी को दिए जाने वाली रकम के हिस्से पर दबे मुंह बात कर चुके है। जलकल अभियंता व पूर्व अधिशासी अधिकारी का बड़ा खेल डलमऊ नगर पंचायत में बड़ी बड़ी रकम के साथ बड़े बड़े खेल को अंजाम दिया जाता है जिसमे महज कुछ फीसद कार्य मे खर्च कर पूरी रकम डकार ली जाती है।

पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त सोहेल को 01 अवैध असलहा एवं 02 जिन्दा कारतूस बरामदगी सहित किया गया गिरफ्तार

न्यूज वाणी ब्यूरो

फिरोजाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के नेतृत्व में थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा रात्रि गस्त एवं चौकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान नया बाईपास से के0आई0ई0टी0 स्कूल के पास से 01 अभियुक्त सोहेल पुत्र मोहम्मद यासीन को 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस सहित गिरतार किया गया है ।

जलसा इस्लाहे मुआशरा का हुआ आयोजन

न्यूज वाणी ब्यूरो

सीतापुर। तम्बौर सीतापुर कस्बे में स्थित पानी की टँकी के नीचे बुधवार की रात जलसा इस्लाहे मुआशरा का आयोजन किया गया। इस मौके पर बाहर से आए उलेमा एकरामों ने मुसलमानों से अल्लाह और उसके रसूलों के बताए रास्ते पर चलने की अपील की। उलेमा एकरामों ने अपनी तकरीर में शिक्षा पर जोर दिया और समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की बात कही। जलसा में मुख्य अतिथि के रूप में मेरठ से आए हजरत मौलाना मो0 खालिद साहब मौजूद थे। वही जलसे की सदारत हाफिज मो0 अतीक ने की, व जलसे की निजामत मुती मो0 रहिक हनफी ने की। जलसे की शुरूआत कारी सुमामा इलाहाबादी ने तिलावत कुरआन पाक से किया। इसके बाद हाफिज अमीरुल हसन, कारी जीशान जहांगीराबादी व तारीख जमील कन्नौजी ने हुजूर के सामने एक से बढ़कर एक नात पाक पेश किया। अपनी तकरीर में हजरत मौलाना खालिद साहब ने कहा कि समाज में कई कुरीतियां व्याप्त हैं। इसका प्रमुख कारण शिक्षा की कमी है। लोग दिनी दुनियावी तालीम हासिल करेंगे तो कुरीतियां खुद बा खुद दूर होंगी और समाज आगे बढ़ेगा। खालिद साहब ने कहा कि इस्लाम में दहेज लेना और देना हराम है। लोग इससे परहेज करें। मौलाना अखलाक ने कहा कि इस्लाम में हर मर्द औरत को इल्म सीखना फर्ज करार दिया गया है। लोग शिक्षा के मामले में जागरूक हों और बेहतर शिक्षा हासिल करें। मौलाना तौफीक साहब ने महिलाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं अच्छी से अच्छी तालीम हासिल करें। अगर महिलाएं शिक्षित होंगी तो हमारा समाज तेजी से आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर अबुल खैर नदवी, कारी परवेज, कारी तनवीर, मौलाना अबुल हसन, मौलाना मो0 अनस, मौलाना नूर आलम, कारी बिलाल, कारी अब्दुल हलीम, कारी लुकमान कमर, कारी सहाबुद्दीन, मौलाना ताहिर, ने भी अपने कलाम पेस किए वही इस जलसे को कामयाब बनाने में हाफिज हस्सान असरफ, हाफिज मो0 गुफरान नूरी, हाफिज मो0 कैफ नूरी, हाफिज खुर्शीद आलम, कारी शाबान फुरकानी, मो0 कामिल, हाफिज मो0 शादाब, मो0 शाबान मंसूरी, मो0 तुफैल गौरी, मो0 अदनान ने कड़ी मेहनत की जिससे जलसा कामयाब हो सका।

समाजवादी पार्टी ने उठाई नुमाइश व्यापारियों की आवाज।

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। इटावा नुमाइश में दुकानदारों व व्यापारियों को हो रही विभिन्न समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने कहा कि नुमाइश में किसी भी प्रकार का भेदभाव या उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दुकानों का आवंटन पुरानी परम्परा के अनुसार ही किया जाना चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर आज समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी इटावा से मिला। सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू के नेतृत्व में जिला महामंत्री वीरू भदौरिया,ैप् प्रभारी उदयभान सिंह यादव,ैप् निगरानी समिति अध्यक्ष लाखन सिंह जाटव, उपाध्यक्ष अनवर हुसैन, सपा प्रवक्ता विक्की गुप्ता, जिला सचिव प्रवीण कुशवाह, राजेश यादव, कमलेश दतावली, अंकुर यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधि मंडल ने नुमाइश में दुकानों के आवंटन, सुविधाओं में कमी तथा प्रशासन द्वारा हो रही अनियमितताओं पर विस्तृत चर्चा की। जिलाधिकारी इटावा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सभी बिंदुओं पर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए समर्पित है और नुमाइश में किसी भी प्रकार की मनमानी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी व्यापारियों के साथ है और न्याय सुनिश्चित होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

आज सीतापुर में ईपास मसीने जमा करके अपनी मांगों को लेकर कोटेदार करेंगे विशाल प्रदर्शन

न्यूज वाणी ब्यूरो

सीतापुर ।जनपद के सभी तहसीलों के कोटेदार 5 दिसम्बर को जिले के जिला पूर्ति अधिकारी कार्यलय पर अपनी ईपास मसीने जमा करके विशाल प्रदर्शन करगे ।प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह ने प्रदेश कार्यलय वर्मी तहसील मिश्रिख जिला सीतापुर के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि समस्त प्रदेश पदाधिकारी,मंडल पदाधिकारी,अध्यक्ष प्रदेश एवम अध्यक्ष द्वारा और अन्य संगठनों से समन्वय बनाते हुए कार्य क्रम की रूपरेखा तैयार की गई है ।सभी पदाधिकारी अपने जिला में पदाधिकारी और राशन विक्रेता बंधुओं के साथ 5 दिसंबर 2025 को प्रदेश के समस्त जिलों में मौजूद जिलापूर्ति अधिकारी,जिलाधिकारी या उनकी गैर मौजूदगी में जो भी अधिनिस्थ अधिकारी मौजूद हो उनको ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांगे प्रेषित की जाएगी ।संगठन की लड़ाई पूर्व की मांगो के सापेक्ष 200 रुपया प्रति कुंतल लाभांश या मिनिमम गारंटी आय 20000 रुपए गुजरात की तर्ज पर सरकार देना सुनिश्चित करे ।अन्यथा धरना– प्रदर्शन और विधान सभा का घेराव सभी की उपस्थिति में किया जाएगा। खाद्य आयुक्त को सूचना ईमेल और डाक द्वारा रजिस्ट्री भेज कर की जा चुकी है ।उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री को चाहिए संगठन के प्रतिनिध मंडल को बुलाकर वार्ता करे और लाभांश एवं समस्याओं से अवगत होते हुए निर्णय लेने का कार्य करे अन्यथा सरकार के खिलाफ संघर्ष का विगुल बजा दिया जाएगा। कोटेदारों का यह अनवरत संघर्ष जारी रहेगा जब तक वार्ता नहीं होती कोटेदारों की लड़ाई जारी रहेगी ।इसी क्रम में प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह,जिलाध्यक्ष सीतापुर रामलखन सिंह यादव,विजय पाल वर्मा संगठन मंत्री,विशाल रस्तोगी जिला महासचिव ,कमलेश मिश्रा,राघवेंद्र सिंह, राकेश सिंह,आलोक मिश्रा,केशवराम,सुधीर मिश्रा,जय नारायण पांडेय, भानु सिंह, जय नारायण सिंह ,नसीम,त्रिभुवन बर्मा,सुरेंद्र यादव, विजय वर्मा,अजय वर्मा,संतराम ,हनुमान प्रसाद, कयूम खां, नंदलाल आदि कोटेदार बंधु उपस्थित रहेंगे।

सुंदरपुर उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों में आज पांच घटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। सुंदरपुर विद्युत उपकेंद्र से पोषित 11 केवी फीडर नंबर 08 के विभक्तिकरण कार्य के चलते आज दिनांक 01 दिसंबर 2025 को संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक फीडर की बिजली पूरी तरह बंद रहेगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि विभक्तिकरण का यह कार्य उपभोक्ताओं को बेहतर एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के पश्चात फीडर पर लोड कम हो सकेगा और भविष्य में अनियमित कटौती की समस्या में भी कमी आएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। अवर अभियंता, विद्युत उपकेंद्र सुंदरपुर

किसान चीनी मिल लिमिटेड, घोसी का पेराई सत्र प्रारंभ

न्यूज वाणी ब्यूरो

मऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने मऊ भ्रमण के दौरान आज किसान चीनी मिल लिमिटेड, घोसी के पेराई सत्र का शुभारंभ विधिवत पूजन–अर्चन कर किया। पारंपरिक विधि–विधान के साथ सत्र के प्रारंभ होने पर मंत्री श्री शर्मा ने सभी किसानों तथा मिल कर्मियों को शुभकामनाएँ दीं। मिल प्रबंधन ने इस वर्ष 18 लाख कुंतल गन्ने की पेराई का लक्ष्य तय किया है, जो क्षेत्र में गन्ना उत्पादन की बढ़ती क्षमता और किसानों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि गन्ना किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और चीनी मिलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाली महत्वपूर्ण इकाइयां हैं। उन्होंने कहा कि घोसी और आसपास के क्षेत्रों में किसान गन्ना उत्पादन से जुड़े हैं, इसलिए मिल का सुचारू संचालन यहाँ के किसानों की आय बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मिल परिसर में सुविधाओं का विस्तार, भुगतान व्यवस्था को और सुगम बनाने तथा तकनीकी सु.ढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ।मंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि मिल के विकास, संचालन और किसानों से संबंधित लंबित मुद्दों को लेकर उन्होंने गन्ना विभाग के मा. मंत्रीएवं प्रमुख सचिव से विस्तृत चर्चा की है। साथ ही उन्होंने हाल ही में हुई भारी बारिश, ओलावृष्टि और मौसम की विपरीत परिस्थितियों से प्रभावित गन्ना किसानों की भरपाई और सहायता को लेकर .षि मंत्री से भी वार्ता की है। उन्होंने कहा कि .षकों के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार संवेदनशील है और हर संभव राहत उपलब्ध कराई जाएगी। अपने उद्बोधन में मंत्री श्री शर्मा ने किसानों से गन्ना उत्पादन को और बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक .षि तकनीकों, उच्च उत्पादकता वाली गन्ना प्रजातियों और वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने से न केवल पैदावार बढ़ेगी बल्कि मिल की पेराई क्षमता और चीनी उत्पादन में भी महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग और किसानों की मेहनत से यह क्षेत्र प्रदेश के अग्रणी गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में अपनी पहचान और मजबूत करेगा ।उन्होंने मिल प्रबंधन को भी निर्देशित किया कि किसानों से समयबद्ध तरीके से गन्ना क्रय किया जाए तथा तौल केंद्रों पर पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मिल कर्मियों को भी निर्देश दिया कि किसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार, त्वरित समस्या समाधान और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर विधायक सगड़ी श्री एच एन सिंह पटेल,जिलाधिकारी श्री प्रवीण मिश्र, जिला गन्ना विकास अधिकारी, गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष व सदस्य, मिल के अधिकारी–कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

सब्जी लेने गए युवक की बाइक चोरी

न्यूज वाणी ब्यूरो

तंबौर सीतापुर। क्षेत्र की साप्ताहिक बाजार में घर की सब्जी लेने गए युवक की बाइक अज्ञात चोर चोरी कर फरार हो गए। बीते मंगलवार को कस्बे के अहमदाबाद गंज निवासी अफसर अली पुत्र हैदर अली अपनी बाइक न्छ34 ॅ2152 स्पलेंडर से क्षेत्र के बेहटा में लगने वाली साप्ताहिक बाजार में सब्जी आदि सामान खरीदने गया था। पीड़ित ने बाइक बाजार में खड़ी कर सब्जी आदि की खरीददारी करने लगा। अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए बाइक चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित जब सब्जी आदि सामान लेकर वापस लौटा तो बाइक नही मिली। पीड़ित द्वारा चोरी हुई बाइक की काफी खोजबीन की गई लेकिन बाइक का कोई अता पता नही चल सका। पीड़ित ने बाइक चोरी को लेकर थाने में लिखित प्रार्थना पत्र दे दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चोरी हुई बाइक की खोजबीन शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक बेहटा स्थित साप्ताहिक बाजार में पूर्व में कई अन्य बाइकें चोरी हो चुकी है जिसका अभी तक पुलिस ने खुलासा नहीं कर पाई है। तंबौर थाना क्षेत्र इलाके में चोरियों की वारदातें बढ़ती जा रही है।

पंसारी टोला जैन मंदिर में पालकी यात्रा और आदिनाथ विधान का भव्य आयोजन

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा । श्री प्राचीन दिगंबर पंचायती जैन मंदिर, पंसारी टोला में बुधवार को एक दिवसीय भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सुबह सात बजे भगवान आदिनाथ की पालकी यात्रा से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पालकी यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर बजरिया चौराहा, पचराहा, राजागंज चौराहा, रंगलाल चौराहा, महावीर मार्ग और लालपुरा तिराहा होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। यात्रा का स्थान.स्थान पर आरती उतारकर, पुष्पवर्षा एवं घोल–नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। मंदिर पहुंचने के बाद श्रीजी को पाण्डुकशिला पर विराजमान कराया गया। इसके उपरांत केसर जल से अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। प्रथम कलश का सौभाग्य अजय जैन, अभय जैन तथा द्वितीय कलश का सौभाग्य सुशील जैन डाबर को प्राप्त हुआ। वहीं स्वदेश जैन, कमलेश जैन, मोनू जैन और मोक्ष जैन द्वारा अन्य कलश अर्पित किए गए ।नवीन प्रतिमा को वैदिक विधि के अनुसार वेदी में विराजमान कराया गया। इस अवसर पर भक्ति नृत्य ने वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया। इसके बाद श्री आदिनाथ विधान का आयोजन पंडित मनीष जैन (इटावा) द्वारा संगीतमय विधि से किया गया, जिसमें महिलाओं द्वारा मंगलकलश विराजमान कर विधान प्रारंभ कराया गया ।विधान के समापन पर हवनकुंड में शुभ आहुतियाँ अर्पित की गईं तथा मंगलाचार के साथ मुख्य कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मंदिर समिति के राहुल जैन, नितिन जैन,गौरव जैन अभिनंदन जैन नंदू पत्रकार ललित जैन सहित महिला मंडल की नीता, भारती, ज्योति, पूनम, श्रद्धा, स्वेता, मीना, ममता, सरला आदि उपस्थित रहे। समाज के वरिष्ठजनों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण योगमाया के समकालीन अवतरण का हुआ वर्णन

न्यूज वाणी ब्यूरो

मऊ। आम्रपाली वैदिक शोध संस्थान बकवल में गीता जयंती महोत्सव के अंतर्गत चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वामी ज्ञानानंद सरस्वतीजी महाराज ने भगवान श्री.ष्ण और भगवती योगमाया के एक साथ हुए दिव्य अवतरण का संक्षिप्त किंतु मनोमुग्धकारी वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भाद्र .ष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि में कंस कारागार में श्री.ष्ण और उसी क्षण नंदग्राम में योगमाया ने अवतार लेकर पृथ्वी पर दिव्य लीला प्रारंभ की। स्वामीजी ने कहा कि जन्माष्टमी उत्सव केवल .ष्ण जन्म ही नहीं, बल्कि योगमाया सहित दोनों का संयुक्त प्राकट्य पर्व है। उन्होंने वासुदेव द्वारा शेषनाग की छाया में श्री.ष्ण को गोकुल पहुँचाने तथा योगमाया के कंस को उपदेश देकर देवराज इंद्र के रथ से विंध्याचल पर्वत पहुँचने की कथा भी सुनाई। योगमाया यहीं विंध्यवासिनी रूप से विख्यात होकर आज भी भक्तों के कष्टों का निवारण करती हैं। इससे पूर्व यज्ञाचार्य डॉ. धनंजय पांडेय और सहयोगी आचार्यों ने मुख्य यजमान उर्मिला सिंह द्वारा वेदी पूजन, परायण व आरती कराई। कथा में हरिओम शरण, आचार्य महेश चंद्र, धीरेंद्र सिंह, अभिषेक कुमार, संतोष द्विवेदी, विमल मिश्र, रामविजय सिंह, विनीत पांडेय, मधुरिमा, शुभम कुमार, श्वेता सिंह, .ष्टि सिंह, निर्मला सिंह, प्रज्ञा सिंह, प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में स्त्री–पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

डीएम ने एसआईआर कार्यो का लिया जायजा

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जिलाधिकारी रविंद्र सिंह ने गुरूवार को प्रशासनिक टीम के साथ शहर के विभिन्न बूथो पर चल रहे एसआईआर कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर तैनात कर्मचारियों से उनकी समस्याएं सुनीं और सभी

आवश्यक व्यवस्थाएं चुस्त–दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से बूथ संख्या 101 व बूथ संख्या 102 का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (राजस्व/वित्त) अघ्वनी कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी अनामिका श्रीवास्तव के अलावा नगर पालिका परिषद के मोहम्मद हबीब, बीएलओ रीना सिंह व शीला देवी, सहायक अध्यापक रामबाबू अतुल मिश्रा, पार्षद अतीश पासवान सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और निर्देषित किया कि बूथ पर आने वाले सभी मतदाताओं का एसआईआर फार्म सही तरह से भरकर उन्हे जानकारी दे।

चार चोर गिरफ्तार, 43 टेबलेट बरामद

न्यूज वाणी ब्यूरो

खागा/फतेहपुर। कोतवाली क्षेत्र के खासमऊ कम्पोजिट विद्यालय में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरतार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए लोगों के पास चोरी के 43 टेबलेट बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बीती 28 सितंबर को खासमऊ कम्पोजिट विद्यालय का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने 43 टेबलेट चोरी किया था। इसका मुकदमा एक अक्टूबर को खागा कोतवाली में पुलिस ने प्रधानाध्यापक अतीक अहमद सिद्दीकी निवासी खखरेरू की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के नाम पंजी.त किया था। अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत महिचा मंदिर पुलिस चौकी इंचार्ज राहुल पाण्डेय अपराधियों की सुरागरसी में लगे थे। बृहस्पतिवार को चौकी इंचार्ज की टीम ने हाईवे से खासमऊ गांव जाने वाली सड़क पर करीब सौ मीटर अंदर खासमऊ निवासी अभय सिंह, अभिषेक, मुकेश उर्फ बम–बम, शिवा उर्फ लल्लू को संदिग्ध अवस्था देखकर रोका। पुलिस पकड़ में आये चारों युवकों ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए युवकों की निशानदेही पर विद्यालय से चोरी हुए 43 टेबलेट बरामद कर सभी को जेल भेज दिया।

जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान तेज

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद को सड़क दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम के तहत गुरूवार को बड़ी कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी यातायात

बृजमोहन राय के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना कल्याणपुर अखिलेश कुमार, एनएचएआई रोड सेटी मैनेजर अतुल यादव, प्रभारी यातायात लालजी सविता तथा क्रिटिकल कॉरिडोर टीम (थाना मलवां, कल्याणपुर व बकेवर) ने होटल आर्य (थाना कल्याणपुर क्षेत्र) में हाईवे से सटे सभी होटल–ढाबा संचालकों की एक विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में ढाबा मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए अपने प्रतिष्ठान के सामने उचित पार्किंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करें। हाईवे पर बने अवैध कांटे (स्पीड ब्रेकर) तत्काल प्रभाव से हटाए जाएं। हाईवे पर खड़े अवैध वाहनों को तुरंत हटवाएं, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। निर्देशों के तुरंत बाद यातायात पुलिस व क्रिटिकल कॉरिडोर टीम ने मौके पर पहुंचकर हाईवे पर खड़े अवैध वाहनों को हटवाया और कई वाहनों के चालान भी काटे गए। क्षेत्राधिकारी यातायात बृजमोहन राय ने कहा कि हाईवे पर अतिक्रमण और अनुशासनहीनता दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है। जनपद को शून्य मृत्यु जिला बनाने के लिए इस तरह की मुहिम लगातार जारी रहेगी और कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हिस्ट्रीशीटरों को अपराध न करने की दिलाई शपथ

न्यूज वाणी ब्यूरो

तंबौर सीतापुर –थाना क्षेत्र में कानून ब्यवस्था बनाये रखने के क्रम में पुलिस अधीक्षक सीतापुर के आदेशानुसार थाना प्रभारी ब्रजेश राय ने थाना परिसर में गुरुवार को क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों को बुलाकर उन्हें अपराध ा न करने की शपथ दिलाई ।थाना प्रभारी ने कहा कि आप लोग न कोई अपराध करेंगो और न ही किसी को अपराध करने देंगे ।अगर कहीं कोई अपराध होता है तो उसके खुलासे में पुलिस को सहयोग करेंगो । अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति आपको गाँव में आपकी जानकारी में आता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दोगो ।गाँव या आपके आस पास रहने वालों में सुरक्षा का अहसास कराएंगे ।उनकी हर सम्भव सहायता भी करेंगो । थाना क्षेत्र के करीब 70 हिस्ट्रीशीटरों ने अपराध न करने व अपराध ा रोकने में हाथ उठाकर पुलिस के सहयोग करने की शपथ ली ।इस मौके पर थाने में तैनात समस्त स्टाफ दरोगा व आरक्षी मौजूद रहे ।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने बूथों का किया भ्रमण

एसआईआर में तेजी लाने का किया आह्वान

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा पूरी ताकत झोंक रही है। गुरुवार को जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने अयाह शाह विधानसभा के खटौली, मुत्तौर तथा सदर विधानसभा के बहुआ नगर क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक बूथों का दौरा कर बीएलओ से कार्य प्रगति जानी और कार्यकर्ताओं को सक्रिय सहयोग करने के निर्देश दिए। अयाह शाह विधानसभा के बूथ संख्या 17 (खटौली) में बीएलओ ने बताया कि बूथ पर कुल 1226 मतदाता हैं। सभी घरों में फार्म वितरित कर दिए गए हैं और अब तक 1000 से अधिक मतदाताओं की फीडिंग पूरी हो चुकी है। सदर विधानसभा के बहुआ नगर बूथ संख्या 81, 82 व 83 तथा बहुआ देहात मंडल के मुत्तौर स्थित बूथ संख्या 89, 90 व 91 का भी जिलाध्यक्ष ने निरीक्षण किया। बूथ संख्या 90 का कार्य लगभग पूर्ण होने पर जिलाध्यक्ष ने बीएलओ की प्रशंसा की और उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने बूथ के साथ–साथ पास के कमजोर बूथों पर भी पूरा योगदान दें। श्री श्रीवास्तव ने कहा, विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण राष्ट्रीय अखंडता का अभियान है। इसमें हर नागरिक व हर कार्यकर्ता का सहयोग जरूरी है। भाजपा कार्यकर्ता इसे राष्ट्रसेवा का कार्य मानकर जुटे हुए हैं। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता इस अभियान में सकारात्मक सहभागिता निभा रहे हैं। यह राष्ट्रीय विचारों की सच्ची उपासना है। दौरे के दौरान अभियान के जिला संयोजक मनोज मिश्रा 'मनु', अर्चना त्रिपाठी, संजय हांडा, चिदानंद शुक्ला, अखिलेश तिवारी, ओम मिश्रा, अभिषेक शुक्ला, अनुराग शुक्ला, गोरे लाल प्रजापति, राजकिशोर तिवारी, छोटेलाल भुर्जी, कमलेश तिवारी के अलावा मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

जिले के सांसद सदन में किसानों उठाई आवाज

किसानों को एमएसपी दिलाने में नाकाम सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नही-नरेश

न्यूज वाणी ब्यूरो

फ़तेहपुर। समाजवादी पार्टी के सांसद नरेश उत्तम पटेल एक बार फिर किसानों की समस्याओं को लेकर मुखर नज़र आये। लोकसभा में चर्चा के दौरान जिले के सांसदों की किसने की समस्याओं से सदन को अवगत कराया साथ ही प्रदेश के किसानों का धान एसपी की दर पर ना खरीदे जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसान परेशान है उसके उपज का मूल्य नहीं मिल पा रहा है। बताते चले कि फतेहपुर के समाजवादी पार्टी के सांसद नरेश उत्तम पटेल किसने की समस्याओं को सदन में उठाने के लिए जाने जाते हैं इससे पूर्व भी वह लगातार प्रदेश में किसने की बदहाली का मुद्दा सदन में उठा चुके हैं। नरेश उत्तम पटेल समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं एक बार फिर से किसानों की समस्याओं को लेकर सांसद नरेश उत्तम पटेल सदन में मुखर नजर आए। चेयर द्वारा उन्हें बोलने के लिए आमंत्रित किए जाने पर नरेश उत्तम पटेल ने धान किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा तय किया गया धान का न्यूनतम संवर्धन मूल भी किसानों को नहीं मिल रहा है सरकार द्वारा जो मूल तय किया गया है उससे भी काफी कम दर पर किसानों को अपना ध्यान बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि किसानों को उनके न्यूनतम मूल्य पर खरीद की जाए साथ ही सरकार को यह भी चेताया कि यदि वह किसानों को न्यूनतम मूल्य उनकी उपज का नहीं दिला सकते तो ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं सपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद नरेश उत्तम पटेल के सदन में गर्जना से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखने को मिला नरेश उत्तम पटेल भले ही सदन में बोले हो लेकिन उनके बोलने के असर ने सपा के कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया है।

आयुश्मान कैंप का मून फाउंडेषन ने त्रिलोकीपुर में लगवाया कैंप

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। तेलियानी ब्लॉक के आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कैंप का आयोजन को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना इस पहल से बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों हुई है। इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविर में और अनुराधा टीम के साथ उपस्थित रहीं। करने और सुचारू रूप से कार्ड बनाने की फ़ाउंडेशन ने इस आयोजन में मानवता की कार्य किया। संस्था की टीम ने 70 वर्ष से सम्मानपूर्वक कैंप स्थल तक पहुँचाने और की व्यवस्था की। यह कदम बुज़ुर्गों की लाभ दिलाने के लिए उठाया गया। टीम के

आयुष्मान कार्ड के फायदों के बारे में भी जागरूक किया। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में राम गोपाल, हकीम, नफ़ीस, शादाब, रोहित, अमरेश, और अन्य सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया। गाँव के लोगों ने मून फ़ाउंडेशन की इस पहल की दिल से सराहना की और इसे जनहित में उठाया गया एक बहुत बड़ा कदम बताया। कैंप के दौरान, संस्था के संस्थापक और अधिवक्ता फ़ैज़ान अहमद मून ने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के महत्व और इसके तहत मिलने वाले निःशुल्क उपचार तथा स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सभी पात्र परिवारों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपना कार्ड बनवाकर इस योजना का लाभ उठाएँ। मून फ़ाउंडेशन की यह पहल ज़मीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुँचाने का एक सशक्त उदाहरण है।

त्रिलोकीपुर गाँव में मून फ़ाउंडेशन द्वारा किया गया। जिसका उद्देश्य पात्र ग्रामीणों और उनके आयुष्मान कार्ड बनवाना था। को निःशुल्क उपचार की सुविधा सुनिश्चित दिव्या अवस्थी, शकुंतला देवी, कोमल देवी, उन्होंने ग्रामीणों के दस्तावेज़ों की जाँच प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मून मिसाल पेश करते हुए एक विशेष सेवा अधिक आयु के बुज़ुर्गों को उनके घरों से कार्ड बनवाने के बाद वापस घर छोड़ने परेशानी को कम करने और उन्हें सरकारी सदस्यों ने घर–घर जाकर लोगों को

सदस्यता अभियान जोरों पर, एक दिन में 64 नए व्यापारी जुड़े

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। उद्योग व्यापार मण्डल के संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा के निर्देशन में जनपद भर में संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को कस्बा बकेवर में द्वितीय चरण का सदस्यता अभियान चलाया गया, जिसमें मात्र एक दिन में 64 व्यापारियों को संगठन की सदस्यता दिलाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व बकेवर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सुरेश दीक्षित ने किया, जबकि जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा एवं जिला महामंत्री विनोद साहू की मौजूदगी में अभियान को सफल बनाया गया। जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा ने बताया कि जनपद की सभी तहसीलों, कस्बों, ग्रामों एवं उपग्रामों में संगठन की इकाइयाँ गठित की जा रही हैं तथा व्यापारियों को एकजुट कर उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सशक्त मंच तैयार किया जा रहा है। बकेवर व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुरेश दीक्षित ने कहा कि बकेवर के आस–पास के सभी उपग्रामों में शीघ्र ही इकाइयाँ गठित की जाएंगी, ताकि हर छोटे–बड़े व्यापारी की आवाज संगठन तक पहुँचे। जिला महामंत्री अखिलेश साहू ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत पांच सौ व्यापारियों को सदस्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा, जिला महामंत्री विनोद साहू, बकेवर अध्यक्ष सुरेश दीक्षित, महामंत्री अखिलेश साहू, सर्वेश पटेल, दिनेश तिवारी, राजेश अवस्थी, राज तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी उपस्थित रहे तथा नवीन सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने विष्वास दिलाया कि व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं उनके व्यापारिक विकास के लिए उद्योग व्यापार मण्डल सदैव तत्पर रहेगा।

पंजीकरण के बाद भी किसान परेशान

न्यूज वाणी ब्यूरो

खागा/फतेहपुर। नवीन मंडी स्थल स्थित तृतीय क्रय धान केंद्र पर किसानों की परेशानिया लगातार बढ़ती जा रही हैं। केंद्र को करीब 15 हजार कुंतल खरीद का लक्ष्य मिला है, लेकिन अब तक मात्र 3915 क्विंटल 40 किलोग्राम धान ही खरीदा जा सका है। ऐसे में पंजीकरण के बाद भी तौल न होने से किसान केंद्र के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। मझिलगांव के किसान कल्पनाथ ने बताया कि उन्होंने धान की कटाई से पहले अक्टूबर माह में ही पंजीकरण करा लिया था। इसके बावजूद केंद्र पहुँचने पर उनका धान नहीं तोला जा सका। इसी गांव के शिवप्रकाश ने बताया कि यदि धान में नमी अधिक पाई जाती है तो उसे वापस लौटा दिया जाता है और किसानों से कहा जाता है कि घर ले जाकर सुखाकर पुनः लाएं। लगातार आना–जाना किसानों के लिए अतिरिक्त बोझ बन गया है। करहा गांव के किसान लंबरी ने बताया कि उन्होंने 13 नवंबर को पंजीकरण कराया था, लेकिन कई दिनों से प्रयास के बावजूद धान की तौल नहीं हो पा रही है। केंद्र प्रभारी रवि कुमार का कहना है कि किसानों की तौल नियमित रूप से कराई जा रही है। जिनका धान सूखा होता है, उसमें किसी प्रकार की कटिंग नहीं की जाती। वहीं अधिक नमी वाला धान मानक के अनुरूप न होने के कारण वापस किया जा रहा है।

तकनीकी प्रशिक्षण 8 तक जमा करें आवेदन

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। उप .षि निदेशक कार्यालय ने राज्य .षि विकास योजना के तहत कम्बाइन हार्वेस्टर मैकेनिकों के लिए विशेष तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। यह प्रशिक्षण राज्य .षि प्रबन्ध संस्थान, रहमानखेड़ा (लखनऊ) में आयोजित किया जाएगा। जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड से केवल एक–एक अभ्यर्थी का चयन किया जाएगा। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभ्यर्थी के पास आईटीआई (मैकेनिकल/फिटर) की योग्यता अनिवार्य है। .षि इंजीनियरिंग में डिप्लोमा धारकों को प्राथमिकता दी जाएगी। आयु 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। एक विकास खण्ड से केवल एक ही मैकेनिक का चयन होगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी अपना पूर्ण आवेदन पत्र आवश्यक प्रमाण–पत्रों के साथ उप .षि निदेशक कार्यालय, .षि भवन में 08 दिसम्बर तक जमा कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। उप .षि निदेशक ने सभी पात्र मैकेनिकों से इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने और निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदन करने की अपील की है।

फांसी लगा दुकानदार ने दी जान

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। सुल्तानपुर थाना घोश क्षेत्र के प्रेमनगर में घरेलू कलह के चलते 45 वर्शीय युवक ने दुकान के अन्दर फासी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी घनष्याम सविता का पुत्र उमेष कुमार की कस्बे में ही दुकान है बताया जाता है कि उसने दुकान में फासी लगाकार आत्महत्या कर ली सुबह जब परिजनो को पता चला तो घर में कोहराम मच गया तभी सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने षव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनो में कोहराम मच गया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के तेदुली के समीप बुधवार की देर षाम अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से बाइक सवार 25 वर्शीय युवक की मौके पर ही मौत हो गयी जब कि अन्य दो घायल हो गयें जिन्हे कानपुर हैलट में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार कानपुर नगर के थाना महाराजपुर बउसर गांव निवासी कमल कुमार का पुत्र मतेष उर्फ प्राजुल अपने अन्य साथी विकास सहित दो लोगो के साथ बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के अर्न्तगत इन्गेजमेंट में आया था बताते है कि रात तीनो वापस जा रहे थे तभी तेदुली के पास तेज रतार वाहन ने टक्कर मार दिया जिसमें मतेष उर्फ प्राजुल की घटना स्थल पर मौत हो गयी वही उसका साथ विकास व एक अन्य युवक गम्भीर रूप में घायल हो गया जिन्हे कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। वही पुलिस ने षव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दियां हादसे के बाद मृतक के परिजनो में कोहराम मच गया।

भतीजी के बाद दादा ने इलाज दौरान तोडा दम

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के पखरौली के समीप लगभग एक पखवारे पूर्व पैदल जा रही दादा भतीजी को बाइक सवार ने टक्कर मार दिया था जिसमें दो गम्भीर रूप से घायल हो गये थे जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहा एक सप्ताह के बाद भतीजी की मौत हो गयी वही गुरूवार को घर पर इलाज दौरान दादा ने दम तोड दिया। बताते चले की पखरौली गांव निवासी स्व0 हनुमान का 70 वर्शीय पुत्र बल्दी अपनी भतीजी रानी के साथ 22 नवम्बर को खेत से पैदल आ रहा था तभी बाइक सवार ने टक्कर मार दिया जिसमें दादा भतीजी गम्भीर रूप से घायल हों गये इलाज दौरार 29 नवम्बर को भतीजी रानी ने इलाज दौरान दम तोड दिया था जब कि बल्दी का इलाज परिजन घर पर ही कर रहे थे सुबह पहर बृद्ध ने भी इलाज दौरान दम तोड दिया। वही सूचना पर पहुची पुलिस ने षव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

किषोरियों ने किया जान देने का प्रयास

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्रो के अर्न्तगत गुरूवार की सुबह परिजनो की डाट से क्षुब्ध दो किषोरियो ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिन्हे इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहा एक की हालत गम्भीर देखते हुए कानपुर के लिए रिफर कर दिया जानकारी के अनुसार जाफरगंज थाना क्षेत्र के बाबादीन का पुरवा गांव निवासी बृजमोहर की 16 वर्शीय पुत्री सोनी देवी को उसकी मां ने काम न करने के पीछे उसे डाट दिया इसी बात से गुस्साई किषेरी ने जहर खा लिया वही कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जैकीखेडी निवासी रामबहादुर की 15 वर्शीय पुत्री लक्ष्मी ने अपनी मां राजरानी की डाट से क्षुब्ध जहर खा लिया कुछ समय बाद दोनो की हालत बिगडने लगी तो परिजनो ने उन्हे तत्काल सरकारी एम्बुलेन्स के द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहा इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने सोनी की हालत गम्भीर देखते हुए कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया।

अनियत्रिंत बाइक गिरी युवक घायल

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। थरियाव थाना क्षेत्र के बिलंदा के समीप एनएचटू में गुरूवार की सुबह अनियत्रित होकर बाइक गिर जाने से 17 वर्शीय किषेर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार हथगाव कस्बा निवासी अमानउददीन का पुत्र साहिल गुरूवार की सुबह बाइक से षहर किसी काम से आ रहा था जब वह बिलंदा के समीप एनएचटू में पहुचा तभी अनियत्रित होकर बाइक गिर जाने से बुरी तरह घायल हो गया सूचना पाकर मौके पर पहुची सरकारी एम्बुलेन्स ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

दम्पति मतभेद भुलाकर फिर राजी हुए एक साथ रहने को

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। पुलिस की पहल एक बार फिर रंग लाई। लंबे समय से चले आ रहे वैचारिक मतभेद और आपसी मनमुटाव को भुलाकर एक दंपति ने फिर से एक साथ रहने का फैसला किया। यह सुखद समझौता पुलिस लाइन स्थित महिला सहायता प्रकोष्ठ/परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के बाद हुआ। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में चल रहे इस केंद्र में गुरूवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह एवं काउंसलर सदस्य मंजू शुक्ला ने धैर्यपूर्वक दोनों पक्षों को समझाया और एक प्रकरण का सफलतापूर्वक समझौता कराया। इस दौरान मौके पर महिला आरक्षी यशस्वी शर्मा एवं प्रियंका सिंह ने भी सहयोग प्रदान किया। परिवार परामर्श केंद्र की यह पहल लगातार टूटते परिवारों को जोड़ने का काम कर रही है और समाज में सकारात्मक संदेश दे रही है। पुलिस की इस मानवीय भूमिका की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिये नफीस अहमद जाफरी द्वारा जाफरी प्रिन्टर्स 170 महाजरी फतेहपुर उ0प्र0 से मुद्रित एंव प्रकाशित । सम्पादक नफीस अहमद जाफरी मो0 9451548620 R.N.I : UPHIN/ 2011/44792 (समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र फतेहपुर)